भाद्रपद कृष्ण पक्ष-2, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 54 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
30 अगस्त 2026 रविवार

आज का मौसम
27.2 अधिकतम
23.2 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page-7

## विदेशी मुद्रा की बचत बनाम आम आदमी पर पड़ता बोझ

# पहले समस्या खड़ी करो, फिर समाधान की तलाश... क्या यह प्रवृत्ति घातक नहीं?

पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने यानी E20 का लक्ष्य भारत की ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सरकार के अनुसार इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम से देश ने अब तक लगभग 19.3 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा बचाई है और करोड़ों टन कच्चे तेल के आयात का स्थान इथेनॉल ने लिया है। पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करना और विदेशी मुद्रा बचाना निश्चित रूप से देशहित में है।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

लेकिन किसी नीति की सफलता का आकलन केवल यह देखकर नहीं किया जा सकता कि सरकार ने कितने डॉलर बचाए। यह भी देखना होगा कि उस बचत की कीमत किसने चुकाई और उसका लाभ आम नागरिक तक किस रूप में पहुंचा। आज खुदरा बाजार में चीनी की कीमत 60 से 65 रुपये किलो तक पहुंच चुकी है और आगे भी बढ़ने की आशंका है। घरेलू उपलब्धता बनाए रखने के लिए सरकार को 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति देनी पड़ी है। अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 552 डॉलर प्रति टन मानें तो इस आयात की संभावित कीमत लगभग 552 मिलियन डॉलर बैठती है। 60 दिनों में बांटने पर यह करीब 9.2 मिलियन डॉलर प्रतिदिन का गणितीय औसत बनता है। यह वास्तविक दैनिक भुगतान नहीं, बल्कि कुल संभावित आयात लागत का औसत है, फिर भी यह बताता है कि खाद्य सुरक्षा के लिए देश को कितनी बड़ी विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ सकती है।

यहीं इथेनॉल नीति के कच्चे माल का सवाल सामने आता है। बालाघाट की एक इथेनॉल निर्माता कंपनी के भागीदार संदीप श्रीवास्तव का कहना है कि जिस तरह भेड़चाल में इथेनॉल प्लांट लगाए गए, उससे E20 की जरूरत की तुलना में उत्पादन क्षमता बहुत अधिक हो गई है। उनके मुताबिक गन्ने की स्थिति कमजोर है, जबकि मक्का पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। यदि इथेनॉल उत्पादन में गन्ने के मोलासिस की हिस्सेदारी घटाकर मक्के जैसे वैकल्पिक फीडस्टॉक की आपूर्ति बढ़ाई जाए, तो गन्ने की अधिक मात्रा चीनी उत्पादन के लिए बचाई जा सकती है और कीमतों पर दबाव कम किया जा सकता है।

सरकार का पक्ष भी अपनी जगह है। उसके अनुसार चीनी की मौजूदा कीमतों के लिए केवल इथेनॉल डायवर्जन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। गन्ने का उत्पादन, मौसम, त्योहारी मांग, बाजार की स्थिति और जमाखोरी-सट्टेबाजी जैसे कई कारक कीमतों को प्रभावित करते हैं। सरकार यह भी कहती है कि इथेनॉल के लिए गन्ने का डायवर्जन पहले की तुलना में घटा है और अब बड़ी मात्रा में इथेनॉल अनाज, विशेषकर मक्का, से बनाया जा रहा है। लेकिन, समस्या का समाधान इथेनॉल के लिए केवल मक्का का इस्तेमाल बढ़ा देना भी नहीं है। मक्के की मांग बढ़ने से पोल्ट्री और पशु आहार की लागत प्रभावित हो सकती है। इसलिए सरकार को गन्ना, चीनी, मक्का, खाद्य सुरक्षा और इथेनॉल, सभी के बीच संतुलन बनाना होगा। वैसे गन्ना और मक्का पर वीरभारता काम करने के लिए टूटे हुए चावल (कनकी) का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

एक और सवाल सीधे पेट्रोल उपभोक्ता से जुड़ा है। E20 में लगभग 80 प्रतिशत पेट्रोल और 20 प्रतिशत इथेनॉल होता है। कुछ पुराने वाहनों में E20 के इस्तेमाल से माइलेज और कुछ घटकों की दीर्घकालिक अनुकूलता को लेकर चिंताएं हैं। इन प्रभावों का अंतिम वैज्ञानिक निष्कर्ष वाहन, इंजन और उपयोग की परिस्थितियों के आधार पर अलग-अलग हो सकता है। लेकिन रोज सड़क पर वाहन चलाने वाला सामान्य वाहन मालिक और मैकेनिक अगर अपनी जेब से बढ़ती ईंधन खपत या रखरखाव की लागत महसूस कर रहा है, तो उस अनुभव को भी नीति के मूल्यांकन में शामिल किया जाना चाहिए।

### पेट्रोल 800 मिली लीटर, वैट एक लीटर का !

*सरकार के लिए पेट्रो-डॉलर की बचत राष्ट्रीय उपलब्धि है। लेकिन वाहन मालिक के लिए यदि समान दूरी तय करने में अधिक ईंधन खर्च हो, तो वह भी एक वास्तविक आर्थिक लागत है। इसलिए पेट्रोलियम करों और वैट की संरचना पर भी विचार होना चाहिए, ताकि E20 नीति का पूरा बोझ उपभोक्ता पर न पड़े। सरकारें यदि प्रति लीटर 800 मिलीलीटर पेट्रोल दे रही है तो वैट भी उस पर ही लगना चाहिए । लोग पूरे एक लीटर पर वैट और केंद्रीय टैक्स भी दें और कम माइलेज का ख़ामियाज़ा भी भुगतें। यह कहाँ तक तर्कसंगत है?*

### न्यायपूर्ण हो लागत का बोझ

*देश के लिए विदेशी मुद्रा बचाना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन सवाल यही है उस बचत की कीमत आम नागरिक किस हद तक अपनी जेब से चुकाए? E20 की सफलता केवल पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल पहुंच जाने से तय नहीं होगी। उसकी असली कसौटी यह होगी कि किसान को उचित मूल्य मिले, चीनी उपभोक्ता के लिए सुलभ रहे, इथेनॉल उद्योग टिकाऊ बने, पेट्रोल उपभोक्ता पर अतिरिक्त बोझ न पड़े और देश की विदेशी मुद्रा भी बचे। ऊर्जा सुरक्षा जरूरी है, लेकिन खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ता हित की कीमत पर नहीं। विकास का लाभ राष्ट्रीय होना चाहिए और उसकी लागत का बोझ भी न्यायपूर्ण ढंग से बंटना चाहिए।*

## न्यूज विंडो

### मणिपुर: नोनी में उग्रवादी गुटों के बीच गोलीबारी, एक की मौत

**इंफाल।** मणिपुर में हिंसा की दो अलग-अलग घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। नोनी जिले में एक सशस्त्र संगठन के दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में एक उग्रवादी की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हुए हैं। वहीं, थौबल जिले में एक तेल पंप के भीतर ग्रेनेड फेंके जाने से धमाका हुआ, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

### पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हादसा: ट्रक में घुसी रोडवेज बस, 27 घायल

**अमेठी।** पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर शनिवार रात रोडवेज बस आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर के बाद ट्रक पलट गया। हादसे में बस चालक समेत 27 यात्री घायल हो गए। पुलिस और यूपीडा की टीम ने सभी घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी बाजार शुकुल पहुंचाया। छह गंभीर घायलों को मेडिकल कॉलेज, तिलोई रेफर किया गया है। 16 घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया।

### अमेरिका: फ्लोरिडा के हाईवे पर प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग

**फ्लोरिडा।** फ्लोरिडा के सेब्रिंग के पास सुबह एक सेसना 172 विमान की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। उड़ान के दौरान पायलट को इंजन में खराबी का सामना करना पड़ा था। जब विमान सड़क पर उतरा तो उसमें तीन लोग सवार थे। किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। यह विमान फोर्ट मायर्स से सेब्रिंग जा रहा था तभी इसके इंजन में खराबी आ गई। यह महसूस करते हुए कि एयरपोर्ट तक पहुंचना मुमकिन नहीं है, पायलट ने हाईवे पर ही विमान उतारने का फैसला किया।

### यूपी में दो बहनों पर तेजाब डाला शादी का दबाव बना रहा था आरोपी

**हापुड़।** उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के एक गांव में दो बहनों पर तेजाब फेंकने का मामला सामने आया है। सिंभावली थाना इलाके के गांव निवासी व्यक्ति ने हापुड़ निवासी युवक पर घर में घुस कर उनकी दो बेटियों पर तेजाब डालने का आरोप लगाया है। दोनों युवतियों को गंभीर हालत में मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित का कहना है आरोपी लगातार उनकी बेटी से शादी करने का दबाव बना रहा था। स्पष्ट इंकार करने पर वह भड़क गया।

## आज का कार्टून

## मंदाकिनी नदी 30 फीट उफान पर... 2023 की बाढ़ से भी भयावह हालात

# चित्रकूट आज भी जलमग्न, सीएम यादव बोले- अतिक्रमण भी बाढ़ की बड़ी वजह

**सतना / भोपाल, दोपहर मेट्रो**

लगातार 18 घंटे की बारिश से चित्रकूट में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने से पानी शहर पानी-पानी हो गया है और सडकों पर नाव चलने की नौबत आ गई है। इस बीच मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आश्रय स्थल में बाढ़ प्रभावितों से मुलाकात की और राहत सामग्री वितरित की। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ का पानी उतरने के बाद प्रभावित लोगों की जिंदगी पटरी पर लाने के लिए व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

बाढ़ के कारणों पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिक्रमण भी इसकी एक बड़ी वजह है। उन्होंने कहा कि सिहावल और मंदाकिनी नदियों के प्राकृतिक बहाव में रुकावट और अतिक्रमण के कारण स्थिति विकराल हुई है। उन्होंने प्रशासन से इस संबंध में पुराने रिकॉर्ड तलब करते हुए जांच के बाद दोषियों व अवैध निमार्णों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में बारिश का कम असर है वहां के बचाव उपकरण बाढ़ प्रभावित जिलों में उपयोग में लाए जाएं। चित्रकूट के सदगुरू आश्रम में जो श्रद्धालु रुके हुए हैं, उनके परिजनों से संपर्क कर बातचीत करवाई जाए।

दरअसल यहां 2003 में आई ऐतिहासिक बाढ़ से भी खराब हालात हैं। हेलिकॉप्टर से लोगों का रेस्क्यू किया जा रहा है। मकानों की छतों पर आश्रय लिए 500 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। अगले कुछ घंटे भी चित्रकूट में लोगों को अगले कुछ घंटों तक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

### सितंबर की बारिश पर नजर

मध्य प्रदेश में अब तक औसत करीब 27.3 इंच बारिश दर्ज की गई है, जबकि सामान्य अपेक्षा लगभग 30 इंच है। यानी प्रदेश अभी भी करीब 2.7 इंच पीछे है। मौसम विभाग ने सितंबर के पहले सप्ताह में फिर अच्छी बारिश की संभावना जताई है। प्रदेश के बांधों की मौजूदा स्थिति को दो हिस्सों में देखा जा सकता है। पूर्वी और चंबल क्षेत्र के कई जलाशय तेजी से भरकर अतिरिक्त पानी छोड़ने की स्थिति में पहुंच चुके हैं, जबकि नर्मदा के कुछ बड़े जलाशयों को अभी और बारिश की जरूरत है। अगले कुछ दिनों की बारिश यह तय करेगी कि मध्य प्रदेश के प्रमुख जलाशय इस मानसून में पिछले वर्ष के स्तर की भरपाई कर पाते हैं या नहीं।

### सोन नदी के किनारे अलर्ट

बाणसागर बांध के कैचमेंट में भारी बारिश के कारण निर्धारित जल स्तर बनाए रखने हेतु समय 6 गेट खोलकर पानी सोन नदी में छोड़ा जा रहा है। इसलिए अतः समस्त मैदानी अमले को अलर्ट किया गया है। बाँध के निचले हिस्से में रहने वालों को सोन नदी के दोनों किनारों से दूर रहने के लिए कहा गया है।

### नेपाल में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में 898 कर्मचारी फंसे

**» बाढ़ से अब तक 750 मौतें**

**काठमांडू।** नेपाल में बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। करीब 898 कर्मचारी अब भी फंसे हैं, जबकि 361 कर्मचारियों को अब तक बचाया जा चुका है। त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में कुछ कामयाबी मिली है। बचावकर्मी मशीनों की मदद से मिट्टी और गाद हटा रहे हैं। सुरंग में 6 इंच का छेद कर पाइप के जरिए हवा पहुंचाई जा रही है।अब इसे बड़ा कर मैनहोल बनाने की तैयारी है, ताकि बचाव दल सुरंग के अंदर जाकर लोगों की तलाश कर सके। -पेज 8 भी देखें...

### सीजेआई सूर्यकांत की दो-टूक

## साइबर अपराध पर न्यायपालिका सक्रिय, संसद के फैसले का इंतजार नहीं

**नई दिल्ली/ लंदन।** सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा है कि भारतीय न्यायपालिका डिजिटल अरेस्ट जैसे तेजी से उभरते धोखाधड़ी के तरीकों से निपटने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठा रही है और ऐसे मामलों में संसद की ओर से कानून बनाए जाने का इंतजार नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि बदलती तकनीक के साथ आर्थिक अपराधों के स्वरूप में भी तेजी से बदलाव हो रहा है और न्यायपालिका को इन चुनौतियों के अनुरूप अपनी भूमिका निभानी होगी।

लंदन में आयोजित 43वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनॉमिक क्राइम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने डिजिटल अरेस्ट का उदाहरण देते हुए बताया कि ऐसे मामलों में साइबर ठग पुलिस अधिकारियों, न्यायिक अधिकारियों या सरकारी नौकरशाहों का रूप धारण कर वीडियो कॉल के जरिए लोगों को डराते हैं और उनसे पैसे ऐंठते हैं। सीजेआई ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को इस समस्या का आकलन विस्तार से करने का निर्देश दिया है।

## ओरछा में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की पहली मीटिंग 400 नेताओं की मौजूदगी में बनेगा पार्टी का रोडमैप

**भोपाल/ओरछा।** भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक आज से श्रीराम राजा की नगरी ओरछा में शुरू हुई। दो दिवसीय यह बैठक प्रातः नौ बजे से शुरू हुई, जो देर शाम तक चलेगी। 31 अगस्त को दोपहर 12 बजे बैठक समाप्त होगी। बैठक में राजनीतिक एजेंडा पास किया जाएगा। इसमें जेन-जी को साधने के लिए घर-घर संपर्क किए जाने, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जन्म तिथि 17 सितंबर से सेवा संकल्प अभियान की प्रदेश में शुरूआत और अनुसूचित जाति वर्ग के बीच पार्टी की पैठ मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण राजनीतिक एजेंडों पर चर्चा कर पास किया जाएगा। बैठक में केंद्रीय मंत्री, कोर समिति, राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, संभाग प्रभारी और मोर्चों के अध्यक्ष सहित लगभग 400 नेतागण शामिल हो रहे है।

### पीएम मोदी ने उज्बेकिस्तान में लोगों को सिखाया योग

**ताशकंद।** पीएम नरेंद्र मोदी दो दिन के उज्बेकिस्तान दौरे पर हैं। उन्होंने आज सुबह ताशकंद में एक योग सेशन में हिस्सा लिया। पीएम ने वहां मौजूद लोगों को योग करना भी सिखाया। पीएम ताशकंद में शास्त्री मेमोरियल और महात्मा गांधी सेंटर भी जाएंगे। प्रधानमंत्री के रूप में यह उनका चौथा उज्बेकिस्तान दौरा है।

**मेट्रो एंकर** | विजयनगरम के सरकारी स्कूल टीचर का नवाचार , लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम से जुड़े हजारों छात्र

# गांव के बच्चों के लिए बनाया AI गुरु, अब राष्ट्रपति करेंगी सम्मान

**विजयनगरम, एजेंसी**

सरकारी स्कूल के बच्चों के पास महंगे कोचिंग सेंटर नहीं थे, लेकिन एक शिक्षक ने उनकी जेब में मौजूद मोबाइल को ही पढ़ाई का साथी बना दिया। बच्चे किताब का पेज नंबर और विषय बताते और मोबाइल पर उन्हें उसी पाठ की आसान व्याख्या, जरूरी बिंदु और अभ्यास के सवाल मिलने लगते। यह किसी निजी एडटेक कंपनी का ऐप नहीं, बल्कि आंध्र प्रदेश के सरकारी स्कूल शिक्षक राजेश कौलुरी का बनाया सिस्टम है। उनकी इसी नवाचारपूर्ण पहल ने उन्हें राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार तक पहुंचाया है। 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें सम्मानित करेंगी।

विजयनगरम जिले के नेल्लिमर्ला मंडल स्थित एमपीपीएस चिनामल्लूपेटा में सेकंडरी ग्रेड शिक्षक राजेश ने प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों के लिए AI आधारित लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया। इसका लक्ष्य केवल डिजिटल पढ़ाई कराना नहीं था, बल्कि बच्चों को बुनियादी पढ़ने, लिखने और गणितीय समझ में मजबूत बनाना था। कक्षा 1 से 3 के बच्चों के लिए तैयार इस सिस्टम में तीन विषयों के छोटे-छोटे पाठ शामिल किए गए।

सिस्टम में AI वॉइस रिकग्निशन, टेक्स्ट की सहायता, हर विद्यार्थी का अलग लॉगिन और क्रमवार पाठ खोलने की व्यवस्था है। यानी बच्चा एक पाठ पूरा करने के बाद ही अगले चरण पर बढ़ता है। हर तीन पाठ के बाद गेम की तरह अभ्यास कराया जाता है, जिससे छोटे बच्चों के लिए पढ़ाई बोझ के बजाय खेल जैसी बन सके। इस तरीके से बच्चों को अपनी गति से सीखने और बार-बार अभ्यास करने का मौका मिलता है। राजेश ने तकनीक का दूसरा इस्तेमाल उन ग्रामीण बच्चों के लिए किया जिन्हें जवाहर नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल जैसी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए महंगी कोचिंग उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने WhatsApp आधारित AI बॉट तैयार किया। इसमें SCERT की पाठ्यपुस्तकों की सामग्री डाली गई। बच्चा मोबाइल पर किताब का पेज नंबर, विषय और टॉपिक भेजता है तो सिस्टम उसे उस हिस्से की चरणबद्ध व्याख्या, मुख्य बातें और इंटरैक्टिव क्विज उपलब्ध कराता है। यानी शिक्षक हर समय बच्चे के पास न हो, तब भी पढ़ाई में मदद मिल सके।

इस प्रयोग का असर केवल एक स्कूल तक सीमित नहीं रहा। राजेश के मुताबिक AI की मदद से 2,200 स्कूलों को बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान के लक्ष्य हासिल करने में मदद मिली। WhatsApp आधारित प्रशिक्षण के जरिये 22 हजार विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रवेश पाने में मदद मिली।

### शैक्षिक इनोवेशंस को मिली पहचान

उनकी बनाई शिक्षण पद्धतियों का दायरा स्कूल से आगे भी पहुंचा है। वे पाठ्यपुस्तक लेखक और NCERT-सीआईईटी के राष्ट्रीय संसाधन व्यक्ति के रूप में भी काम कर चुके हैं। उनके विकसित शिक्षण तरीकों से करीब 25 लाख शिक्षकों के जुड़ने की जानकारी सामने आई है। उनके शैक्षिक नवाचारों को ब्रिटिश काउंसिल और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से भी पहचान मिली है। एक सरकारी स्कूल के शिक्षक का यह प्रयोग अब राष्ट्रीय सम्मान तक पहुंच चुका है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि पुरस्कार नहीं, वह अवसर है जो इस तकनीक ने उन बच्चों को दिया जिन्हें बेहतर पढ़ाई के लिए गांव से बाहर जाने की जरूरत नहीं रही। राजेश ने साबित किया है कि तकनीक महंगी हो सकती है, लेकिन उसका सही इस्तेमाल शिक्षा को सबके लिए सुलभ बना सकता है।

### मंदिरों में साफ-सफाई और बाजार में कान्हा को सजाने के लिए खरीदारी भी शुरू, 4 सितंबर से श्रीकृष्ण की आराधना

# बाजार में बिखरने लगे जन्माष्टमी के रंग, नंदलाल की आराधना की तैयारियों में शहर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जन्माष्टमी की शहर में तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। प्रमुख बाजारों में सजावट का सामान, श्रीकृष्ण की पोशाक, मुकुट, बांसुरी, झूले, लड्डू गोपाल की प्रतिमाएं और पूजन सामग्री की दुकानें सजने लगी हैं। लोगों ने नटखट नंदलाल के लिए सामान की खरीदारी भी शुरू कर दी है। वहीं, बरखेड़ी स्थित राजा कृष्ण मंदिर परिसर में साफ-सफाई शुरू हो गई है। मंदिर का रंग-रोगन किया जा रहा है। आकर्षक सजावट और जन्मोत्सव से जुड़े कार्यक्रमों की तैयारियां की जा रही हैं। मंदिर को विशेष रूप से सजाने के साथ ही श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाएं भी बनाई जा रही हैं। प्रभु के जन्मोत्सव पर मध्यरात्रि पूजा व आरती होगी। पूरा परिसर नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की..जैसे उद्घोष से गूंज उठेगा।

## श्रीकृष्ण की पोशाक, मुकुट और बांसुरी की खरीदी शुरू

बाजारों में भी जन्माष्टमी की खरीदारी का उत्साह अभी से नजर आ रहा है। दुकानदारों का कहना है कि आने वाले दिनों में भगवान श्रीकृष्ण की पोशाक, मुकुट, बांसुरी और सजावटी सामग्री की मांग और बढ़ने की उम्मीद है। जन्माष्टमी को लेकर भोपाल में धार्मिक उत्साह के साथ बाजारों में भी त्योहार की रौनक दिखाई देने लगी है।

## कान्हा के लिए फैंसी माला-मोर मुकुट

कान्हा को सजाने भक्त फैंसी माला, मोर मुकुट व सजावटी सामान के साथ श्रीकृष्ण के बाल रूप व राधा-कृष्ण की मूर्तियां खरीद रहे हैं। धातु से बने लड्डू गोपाल का आकर्षण देखते ही बन रहा है।

## 24 घंटे भजन-कीर्तन का आयोजन, झांकियां

इस्कॉन मंदिर में खास तैयारी की जा रही है। चार सितंबर को जन्माष्टमी पर इस्कॉन मंदिर कोलार और पटेल नगर में वृंदावन जैसी भव्य सजावट होगी। सैकड़ों किलो फूल, झांकियां और 24 घंटे भजन-कीर्तन का आयोजन होगा। बिड़ला मंदिर (अरेरा हिल्स) पर भी बड़ी तादाद में श्रद्धालु उमड़ेंगे

## नाबालिग की हत्या, मां-मामा गिरफ्तार, शादी को लेकर चल रहा था विवाद

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पिपलानी इलाके में 17 साल की नाबालिग आयुषी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर मां कमला और मामा विजय राय को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आयुषी अपनी पसंद के युवक से शादी करना चाहती थी, जबकि मां बेटी की शादी अपनी पसंद के युवक से करवाना चाहती थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। पुलिस मामले की जांच ऑनर किलिंग के एंगल से भी कर रही है।

## भोपाल से रीवा और दिल्ली के लिए आज और कल चलेंगी विशेष ट्रेनें

भोपाल। दोपहर मेट्रो

यात्रियों की भीड़ देख रेलवे ने भोपाल से रीवा और दिल्ली के बीच विशेष ट्रेन चला रही है। ट्रेन भोपाल-रीवा के बीच 1-1 फेरे लगाएगी। रानी कमलापति से हजरत निजामुद्दीन के बीच भी विशेष ट्रेन चलेगी। गाड़ी-02180 रीवा-भोपाल 30 अगस्त को शाम 6:35 बजे रीवा से रवाना होगी। यह सतना, मैहर, और विदिशा होते हुए अगले दिन सुबह 4:30 बजे भोपाल पहुंचेगी। 31 अगस्त को रात 10:25 बजे रीवा से भोपाल से रवाना होगी। रानी कमलापति से निजामुद्दीन के लिए 30 अगस्त की रात 9.20 बजे विशेष ट्रेन चलेगी।

### 7 माह में ही मंडी में लगा कचरे का पहाड़, निगम बोला-टैक्स दो, तब उठेगा

# करोंद मंडी में 5 हजार टन कचरा, 4 करोड़ बकाया, निगम ने उठाव रोका

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर की सबसे बड़ी मंडी करोंद का हाल बुरा है। सुबह मंडी में ट्रकों की आवाजाही शुरू होती है, फल-सब्जियों की नीलामी होती है और खरीदारों की भीड़ जुटती है। लेकिन इन दिनों मंडी की पहचान कारोबार से ज्यादा कचरे के पहाड़ और सड़ांध से हो रही है। सड़क के किनारे कचरे के ढेर, खाली प्लॉटों में सड़ी सब्जियां और नालियों में भरा जैविक कचरा... बारिश के पानी में मिलकर यह कचरा सड़ रहा है। 7 माह से नियमित उठाव नहीं होने के कारण मंडी में 5000 टन से ज्यादा कचरा जमा हो चुका है। दुर्गंध इतनी है कि काम करना दूभर है। इस गंदगी के पीछे सिर्फ नगर निगम और मंडी समिति के बीच सालों से चला आ रहा कचरा शुल्क का विवाद है। निगम के अनुसार मंडी समिति पर साल 2014 से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन शुल्क बकाया है। निगम ने मंडी समिति से पौने चार करोड़ रुपए की रिकवरी निकाल रखी है। भुगतान का मामला नहीं सुलझने से कचरा उठाने की व्यवस्था भी बार-बार रुक रही है। निगम के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी राम रतन लोहिया का कहना है, मंडी समिति पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन शुल्क का पुराना बकाया है। तीन दिन में 300 टन कचरा उठाया भी गया, लेकिन भुगतान न होने से रोकना पड़ा। वहीं, मंडी समिति सचिव नरेंद्र परिहार का कहना है, निगम 2014 से टैक्स बकाया बता रहा है। हमने बात की तो कचरा उठाना शुरू किया, लेकिन फिर बंद कर दिया। उनसे बात चल रही है।

## कचरे का पहाड़, हर सड़क पर ढेर

फरवरी 2026 से निगम ने मंडी से नियमित कचरा उठाना बंद कर दिया था। इसके बाद फल-सब्जियों से निकलने वाला रोज का गीला कचरा मंडी परिसर में ही जमा होता गया। 7 माह में ही मंडी की सड़कों, खाली प्लॉटों और नालियों में कचरे के ढेर दिखाई दे रहे हैं और इससे तेज दुर्गंध उठ रही है।

## बारिश ने बढ़ाई परेशानी

बारिश में जमा कचरा बड़ी समस्या बन गया है। कचरा पानी में मिलकर नालियों में जमा होने से पानी की निकासी को भी प्रभावित कर रही है। व्यापारियों का कहना है कि बदबू और गंदगी के बीच काम करने से कई लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो रही हैं।

## मंडी ने पत्र लिखा तो तीन दिन की गई सफाई

मंडी समिति ने एक सप्ताह पहले नगर निगम के जोन-17 कार्यालय को पत्र लिखकर कचरा उठाने की मांग की थी। इसके बाद निगम अधिकारियों से मंडी समिति की चर्चा हुई तो थोक जनरेटर स्कीम के तहत मंडी से कचरा उठाने की व्यवस्था शुरू की गई। निगम ने तीन दिन तक कचरा उठाया और करीब 300 टन कचरा बाहर कराया, लेकिन इसके बाद भुगतान को लेकर मामला फिर अटक गया और निगम ने कचरा उठाना बंद कर दिया।

## 2700 रुपए प्रति टन के हिसाब से होगी शुल्क वसूली

थोक जनरेटर स्कीम के तहत निगम कचरा उठाने के बदले 2700 रुपए प्रति टन की दर से शुल्क लेगा। अभी मंडी में 5000 टन से ज्यादा कचरा जमा होने का दावा है। ऐसे में डंप कचरे को उठाने की लागत ही 1.35 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है। यह राशि मंडी समिति पर 2014 से बकाया बताए जा रहे पौने चार करोड़ रुपए के पुराने कचरा शुल्क से अलग है। यानी पुराना बकाया चुकाने के साथ अब नया बिल भी मंडी समिति को देना होगा।

### एनजीटी ने बनाई चार सदस्यीय जांच समिति

# डाबरी नर्सरी में 2000 से ज्यादा सागौन के ठूंठ मिले

भोपाल। दोपहर मेट्रो

जिस डाबरी नर्सरी में पौधे तैयार कर जंगल बढ़ाया जाना था, वहीं 2000 से ज्यादा सागौन के पेड़ काट दिए गए। इस मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने स्वतः संज्ञान लिया है। एनजीटी की सेंट्रल जोन बेंच ने चार सदस्यीय जांच समिति बनाई है। जो चार सप्ताह में रिपोर्ट देगी हैं। मामले में राज्य सरकार, पर्यावरण विभाग, एमपीपीसीबी, नगर निगम भोपाल, पीसीसीएफ, डीएफओ, वन विकास निगम को पक्षकार बनाया है। समिति में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के प्रतिनिधि, सीपीसीबी, एमपीपीसीबी, भोपाल कलेक्टर का प्रतिनिधि को शामिल किया है। यह समिति वनभूमि पर अतिक्रमण और खेती की भी जांच करेगी। एनजीटी के आदेश के अनुसार कंपाउंड नंबर 12 और 13 की सैकड़ों एकड़ वनभूमि पर अतिक्रमण और वहां खेती शुरू किए जाने के आरोपों की भी जांच होगी। ग्रामीणों ने पेड़ों की कटाई के साथ अतिक्रमण को लेकर अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे।

## पेड़ों की सुरक्षा करने की जिम्मेदारी किसकी थी

एनजीटी ने डीएफओ भोपाल को निर्देश दिए हैं कि काटे गए पेड़ों को तत्काल नियमानुसार कब्जे में लिया जाए। साथ ही पता लगाया जाए कि इन पेड़ों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किन अधिकारियों और कर्मचारियों की थी। मामले में 29 सितंबर को अगली सुनवाई होगी।

## काटे गए पेड़ों को तत्काल कब्जे में लेने के निर्देश

एनजीटी ने डीएफओ भोपाल को काटे गए पेड़ों को तत्काल कब्जे में लेने के आदेश दिए हैं। साथ ही यह भी पता लगाया जाए कि इन पेड़ों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किन अधिकारियों और कर्मचारियों की थी। मामले में वन क्षेत्र की निगरानी और प्रबंधन व्यवस्था को लेकर भी जांच की जाएगी। मामले में राज्य सरकार, पर्यावरण विभाग, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल नगर निगम, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, डीएफओ भोपाल और वन विकास निगम समेत संबंधित विभागों को पक्षकार बनाया गया है।

## कमीशन एजेंट को बंधक बनाकर की पिटाई, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

**भोपाल।** हैदराबाद के कारोबारियों से लाखों रुपए का गबन कर भोपाल में छिपे कमीशन एजेंट से रुपए वसूलने पहुंचे व्यापारियों ने उसे कमरे में बंद कर पीटा। श्यामला हिल्स पुलिस ने केस दर्ज किया है। पीड़ित मो. इमरान (40) मूलतः झांसी का रहने वाला है और ई-कॉमर्स कंपनियों के रिटर्न माल को नीलामी में खरीदकर कमीशन पर बेचता है। पुलिस को बताया कि हैदराबाद निवासी सैयद रफीक खासरी, ताजामुल हुसैन सहित अन्य दो लोगों मुझे ले गए और कमरे में बंद कर पीा। इमरान का कहना है 16 लाख का माल दिया, आरोपियों पर 13 लाख बकाया है। इसी बकाये के फेर में पिटाई की गई।

### आचार्यश्री समय सागर महाराज ने युवाओं को दिया संदेश

# 'जिसके अंदर दया और करुणा, वही धर्मात्मा है'

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आचार्य श्री समय सागर महाराज के सानिध्य में हुए राष्ट्रीय युवा समागम में वर्तमान की उलझनों के बीच युवाओं को जीवन में सही दिशा बोध का संदेश दिया। दयोदय महासंघ के तत्वाधान में, आचार्य विद्यासागर महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। वर्षायोग समिति प्रवक्ता सुनील जैनाविन अंशुल जैन ने बताया कि राहुल जैन पुणे मल्टी नेशनल कंपनी में करीब 1 करोड़ के पैकेज पाते हैं। इसके बदा भी आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत लेकर आचार्य श्री के उद्देश्य के लिए भारत गो सेवा के लिए काम कर रहे हैं। 2025 में पायलट बनी पलक जैन ने कहा कि सभी सहयोग करते हुए मिलकर इंडिया से भारत की ओर चलें और देश को फिर से सोने की चिड़िया बनाएं। कम उम्र में सिविल जज बनी अंकिता जैन ने कहा सफलता के लिए मन को संकल्पित कर मंजिल की ओर लगना पड़ता हे, दयोदय महासंघ के महामंत्री राकेश जैन अनुशासनदय के डॉ सुधीर जैन ने संचालन किया। आचार्य समय सागर महाराज ने कहा भावों की शुद्धि से आगे बढ़ो, धर्म को परिभाषित करने से अच्छा प्रयोगिक करो। जिसके अंदर दया करुणा है वही धर्मात्मा है।

## निर्माणाधीन भवन में युवती से रेप, चीख सुनकर बचाने पहुंचे लोग, केस दर्ज

**भोपाल।** कोलार इलाके में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में युवती से रेप का मामला सामने आया है। लोगों ने इमारत से युवती के चीखने की आवाजें सुनीं तो पहुंचे। वहां युवती अर्ध नग्न हालत में दिखी। पीड़िता बिल्डिंग से निकलकर सड़क पर पहुंची। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने अस्पताल भेजा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 22 साल की युवती मूलतः डिंडोरी जिले की रहने वाली है। 6 माह से दीदी-जीजा संग कोलार में निर्माण साइट पर रह रही है। दीदी के साथ परिचितों से मिलने वह पहुंची थी। तभी सत्येंद्र धुर्वे ने निर्माण साइट पर घूमाने के बहाने ले गया, रेप किया।

### दो अलग-अलग जगह पुलिस ने की कार्रवाई

# पिस्टल-चाकुओं के जखीरे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, कारतूस भी बरामद

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ क्राइम ब्रांच ने दो अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। भोपाल टॉकीज के पास बाल विहार ग्राउंड से पुलिस ने एक आरोपी को 18 धारदार छुरियों के साथ पकड़ा, जबकि रसला खेड़ी क्षेत्र से दूसरे आरोपी को रिवॉल्वर और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। क्राइम ब्रांच ने मुखबिरी सूचना पर कार्रवाई की। भोपाल टॉकीज के पास बाल विहार ग्राउंड में छुरियां लेकर घूम मो. माजिद उर्फ मजीद (30) को पकड़ा। उसके पास से प्लास्टिक की बोरी से 8 तेज छुरियां मिलीं। दूसरी कार्रवाई विदिशा रोड स्थित रसला खेड़ी क्षेत्र में की गई। यहां पुलिस ने नवेद खान उर्फ नब्बू (24) को पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, तलाशी के दौरान उसकी कमर से एक रिवॉल्वर और पैंट की जेब से एक जिंदा कारतूस मिला।

**मेट्रो एंकर** अभी राजधानी में 1500 एकड़ सरकारी जमीन पर पसरी हैं झुग्गियां

# शहर को झुग्गी मुक्त करने की तैयारी, कोटरा सुल्तानाबाद की दस एकड़ जमीन पर बनेंगे गरीबों के घर, निगम ने सरकार से मांगी जमीन

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी को स्लम फ्री बनाने की कवायद जारी है। इसके तहत नगर निगम शहर के आसपास शहरी गरीबों के लिए मकान निर्माण कर रहा है। कोटरा सुल्तानाबाद में आठ हेक्टेयर सरकारी जमीन में से चार हेक्टेयर जमीन मांगी गई है। जमीन का मुआयना करने के बाद डीडी नगर सबऑर्डिनेट कमला देवीदोरा ने जमीन आवंटन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। यहां पर शहरी क्षेत्र की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले परिवारों को शिफ्ट किया जाएगा। अभी करीब 1500 एकड़ सरकारी जमीन पर 300 से अधिक झुग्गी बस्तियां हैं। जिला प्रशासन और नगर निगम अब इन झुग्गी बस्तियों में रहने वाले परिवारों को शहरी गरीब योजना के तहत मकान देने जा रहा है। इससे झुग्गियां हटाई जा सकेंगी। नगर निगम ने कोटरा सुल्तानाबाद में दस एकड़ जमीन आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। टीटी नगर एसडीएम अमोल वर्मा का कहना है कि कोटरा सुल्तानाबाद में निगम को 4 हेक्टेयर जमीन आवंटन की प्रक्रिया चल रही है। शासन से मंजूरी मिलने के बाद जमीन का पजेशन दे दिया जाएगा।

## दो हजार परिवारों को मिलेगा आशियाना

चार हेक्टेयर जमीन पर नगर निगम शहरी गरीब योजना के तहत मकान बनाएगा, जिसमें इस एरिया में दो हजार परिवारों को मकान देने की योजना है।

## खर्च बस्ती वाले ही देंगे

चार हेक्टेयर जमीन पर जो शहरी गरीब योजना के तहत मकान बनेंगे। इस पर आने वाले खर्च क्षेत्र की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले परिवारों से ही लिया जाएगा। बता दें कि शहर में झुग्गियां न बसें, इसलिए इसकी प्राथमिक जिम्मेदारी क्षेत्ररक्षक, तहसीलदार और पटवारी से लेकर नगर निगम के अपर आयुक्त से लेकर वार्ड प्रभारी तक की होती है। लेकिन शहर में झुग्गियां बनती गईं और जिम्मेदार सोते रहे। निगम ने समय-समय पर कोशिश की, लेकिन इच्छाशक्ति की कमी और राजनीतिक दखल के कारण झुग्गियां बढ़ती गईं।

## हाउसिंग प्रोजेक्ट भी मंजूर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने जून में ही भोपाल को झुग्गी-मुक्त बनाने की सबसे बड़ी योजना बनाई है। इसके तहत शहर के दो प्रमुख घनी झुग्गियों वाले क्षेत्र बाणगंगा और दानापानी का कायाकल्प करने के लिए 3,732 करोड़ रुपए के दो बड़े हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी भी दी है। 'हाउसिंग फॉर ऑल' के तहत बनने वाले इन प्रोजेक्ट्स के माध्यम से 27 हजार आधुनिक मकान बनेंगे। पहली बार बाणगंगा में प्रभावित परिवारों को निर्माण अवधि के दौरान रहने के लिए प्रति माह 6,000 रुपए देने की भी योजना है।

### कमला नगर थाने में महिला ने की थी शिकायत

# मैनिट के प्रोफेसर पर लगा छेड़छाड़ का आरोप, पुलिस ने हिदायत देकर छोड़ा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मैनिट के एक असिस्टेंट प्रोफेसर पर महिला से छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। महिला ने आरोपी पर पिछले कई महीनों से परेशान करने और चरित्र के संबंध में गलत बातें फैलाने का भी आरोप लगाया है। कमला नगर पुलिस ने शुक्रवार शाम शिकायत मिलने के बाद केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। बाद में उसे नोटिस देकर छोड़ दिया गया। थाने में दर्ज की गई शिकायत में पीड़िता ने बताया कि कुछ दिन पहले भी उसने आरोपी के खिलाफ शिकायत की थी। उस समय आरोपी ने महिला से माफी मांग ली थी। इसके बाद मामले समझौता हो गया था। महिला का आरोप है कि इसके बाद आरोपी असिस्टेंट प्रोफेसर ने उसके चरित्र को लेकर अनर्गल बातें फैलाना शुरू कर दीं। जिससे उसकी बदनामी होने लगी थी।

महिला ने बताया कि आरोपी शुक्रवार को उसके घर में घुस गया था। छेड़छाड़ कर जान से मारने की धमकी दी। तब कमला नगर थाने पहुंचकर दोबारा शिकायत की।दर्ज कराई। टीआइ निरूपा पांडे ने बताया कि केस दर्ज करने के बाद आरोपित को गिरफ्तार किया गया था। बाद में उसे नोटिस देकर छोड़ दिया गया।

ग्रामीणों के साथ संवाद कर बैगा समाज की सुनीं समस्याएं

### नक्सल की दहशत से विकास की राह पर बोंदारी, सीएम मोहन का बड़ा ऐलान

# सुरक्षित बालाघाट को बनाएंगे समृद्ध और आत्मनिर्भर

**बालाघाट, दोपहर मेट्रो**

मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के कभी नक्सल प्रभावित रहे दूरस्थ गांव बोंदारी में शनिवार को विकास और बदलाव की नई तस्वीर देखने को मिली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहली बार बोंदारी पहुंचे और ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए पशुपालन, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, रोजगार और स्वरोजगार से जुड़े विषयों पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को ग्रामीणों की जरूरतों के अनुरूप योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने बालाघाट जिले के 100 गांवों के समग्र विकास के लिए 225 करोड़ रुपये उपलब्ध कराने की घोषणा की। इस राशि से सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं के साथ रोजगार, स्वरोजगार और आजीविका के अवसर विकसित किए जाएंगे। खासतौर पर नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में सामाजिक अधोसंरचना मजबूत करने और ग्रामीणों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर रहेगा।

बोंदारी और कोरका ऐसे गांव रहे हैं, जहां कभी नक्सल गतिविधियों का प्रभाव रहा है। मुख्यमंत्री का इन क्षेत्रों में पहुंचना सरकार की बदली प्राथमिकताओं का संकेत माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब इन क्षेत्रों की पहचान नक्सल प्रभाव से नहीं, बल्कि विकास, रोजगार और आत्मनिर्भरता से होगी। कार्यक्रम से पहले बालाघाट जिले की लाड़ली बहनों ने मुख्यमंत्री को राखी बांधी और मिठाई खिलाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ आत्मीयता से संवाद किया और स्थानीय स्तर पर सामने आई समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को मौके पर ही दिशा-निर्देश दिए।

## 'सुरक्षा के साथ विकास और विकास के साथ रोजगार'

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का संकल्प 'सुरक्षा के साथ विकास और विकास के साथ रोजगार' का है। नक्सलवाद से मुक्त हुए क्षेत्रों में अब विकास की रफ्तार तेज की जाएगी। सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के साथ स्थानीय संसाधनों पर आधारित रोजगार के नए अवसर तैयार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 225 करोड़ रुपये की विकास पहल में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, ऊर्जा, शिक्षा, उद्योग, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य, पर्यटन और जनजातीय कार्य सहित कई विभागों के माध्यम से काम होंगे।

### गांव की सड़क बाजार से और युवाओं को अवसरों से जोड़ेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य सिर्फ सड़क बनाना नहीं, बल्कि सड़क को बाजार से, गांव को रोजगार से और युवाओं को अवसरों से जोड़ना है। बालाघाट में लघु उद्योग, ग्रामोद्योग और स्थानीय रोजगारपरक उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। कृषि, डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण को ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने का माध्यम बनाया जाएगा। स्थानीय उत्पादों का गांव और आसपास ही मूल्य संवर्धन कर उन्हें बड़े बाजारों तक पहुंचाने की व्यवस्था विकसित करने पर भी जोर दिया जाएगा। महिलाओं और स्व-सहायता समूहों को छोटे उद्यमों से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे।

प्रदेश के मंदिरों के पास करोड़ों की संपत्ति

# रामराजा सरकार सहित 22 हजार मंदिरों के पास कितना धन, जल्द चल जाएगा पता

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

अब एमपी के मंदिरों की संपत्ति भी एक क्लिक पर दिखाई देगी। महाकाल मंदिर के पास इस वर्ष 142 करोड़ रुपए की संपत्ति सामने आने के बाद सरकार ने प्रदेश के 22,098 मंदिरों की डिजिटल कुंडली तैयार करने का काम शुरू किया है। इसमें मंदिर के नाम दर्ज जमीन, भवन और दूसरी चल-अचल संपत्तियों से लेकर पुजारी का नाम और संपत्ति पर कब्जे-अतिक्रमण की स्थिति तक दर्ज होगी। यानी आने वाले दिनों में महाकाल से लेकर रामराजा सरकार तक किस मंदिर के पास कितनी संपत्ति है, इसका पूरा हिसाब ऑनलाइन देखा जा सकेगा। धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग यह डेटाबेस तैयार कर रहा है। इसे विभाग के पोर्टल पर सार्वजनिक किया जाएगा।

दरअसल राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बाद एमपी के मंदिरों की संपत्ति सार्वजनिक करने की मांग जोरों से उठने लगी। इसके ठीक बाद महाकाल मंदिर की इस वर्ष होने वाली आय-व्यय को भी जारी कर दिया गया। इसके बाद सरकार ने हर मंदिर की संपत्ति को सार्वजनिक करने का फैसला लिया ताकि भविष्य में कोई अप्रिय हालात पैदा न हों।

### महाकाल से रामराजा सरकार तक रिकॉर्ड पर होंगे बड़े मंदिर

शासन-संधारित मंदिरों की सूची में बड़े और प्रसिद्ध मंदिरों के साथ छोटे मंदिर और देवस्थान भी शामिल हैं। धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के आधिकारिक रिकॉर्ड में महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, राम मंदिर ओरछा (रामराजा सरकार), मां शारदा मंदिर मैहर, पीताम्बरा देवी मंदिर दतिया, खजराना गणेश मंदिर इंदौर, पशुपतिनाथ मंदिर मंदसौर और बिजासन माता मंदिर सलकनपुर जैसे प्रमुख मंदिर दर्ज हैं। हर मंदिर के डिजिटल रिकॉर्ड में उसका नाम, इतिहास, पुजारी का नाम, मंदिर के नाम दर्ज चल-अचल संपत्ति, जमीन का रकबा, संपत्ति की वर्तमान स्थिति और उस पर कब्जे या अतिक्रमण की स्थिति दर्ज होगी।

### 1320 मंदिरों के पास 4500 हेक्टेयर कृषि भूमि

प्रदेश के 1320 शासन-संधारित मंदिरों के नाम 10 एकड़ से अधिक कृषि भूमि दर्ज है। इन मंदिरों के पास कुल करीब 4500 हेक्टेयर कृषि भूमि है। इस जमीन को खेती के लिए देने की नीलामी संबंधित जिले के कलेक्टर द्वारा कराई जाती है। नीलामी से मिलने वाली राशि संबंधित मंदिर के कोष में जमा होती है। जिन शासन-संधारित मंदिरों के पास 10 एकड़ से कम कृषि भूमि है, उस जमीन के प्रबंधन की जिम्मेदारी संबंधित मंदिर के पुजारी के पास रहती है। डिजिटल डेटाबेस में जमीन का रकबा और उसकी वर्तमान स्थिति भी दर्ज होगी। इससे यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि मंदिर की जमीन का उपयोग किस तरह हो रहा है और उस पर किसी तरह का कब्जा तो नहीं है।

एजुकेशन हब इंदौर के स्कूलों में मात्र 41फीसदी बुनियादी सुविधाएं

# शिक्षा मंत्रालय के सर्वे में देश के टॉप जिलों की रेस से बाहर हुआ प्रदेश

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की PGI-D रिपोर्ट सामने आने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर मध्यप्रदेश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। पटवारी ने रिपोर्ट के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि बड़े शहरों से लेकर आदिवासी जिलों तक स्कूलों की बुनियादी सुविधाएं, लर्निंग आउटकम, सेफ्टी और डिजिटल लर्निंग की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने सरकार से विज्ञापनों और दावों के बजाय शिक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत पर जवाब देने की मांग की है।

**देश के टॉप जिले- पंजाब-दिल्ली से कोसों दूर रह गया एमपी-** जब हम देश के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों और जिलों पर नजर डालते हैं, तो मध्य प्रदेश की बदहाली और साफ हो जाती है। इस राष्ट्रीय सर्वे में पंजाब के बरनाला जिला 462 अंकों और श्री मुक्तसर साहिब जिला 447 अंकों के साथ देश में सबसे टॉप लीग यानी उत्तम-2 ग्रेड में बने हुए हैं। इसके साथ ही केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ ने 437 अंकों के साथ देश में दूसरा सबसे सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल किया है। दिल्ली के भी अधिकांश जिले 420 से अधिक अंक लेकर शीर्ष पायदानों पर काबिज हैं। दूसरी तरफ, मध्य प्रदेश का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाला सीधी जिला महज 333 अंक यानी सिर्फ 55.5 प्रतिशत ही हासिल कर सका है। यह आंकड़ा साफ बताता है कि मध्य प्रदेश का सबसे बेस्ट जिला भी देश के टॉप जिलों से पूरे 100 अंक पीछे छूटकर इस रेस से पूरी तरह बाहर हो गया है।

### वीआईपी और महानगरों का हाल

राज्य के जिन महानगरों के दम पर विकास का ढिंढोरा पीटा जाता है, वहां की स्कूली हकीकत सबसे ज्यादा डराने वाली है। इंदौर जैसे महानगर में, जहां प्रदेश भर के बच्चे अपना भविष्य बनाने आते हैं, वहां के स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर और बुनियादी सुविधाएं मात्र 41 प्रतिशत ही पाई गई हैं। इतना ही नहीं, इंदौर में बच्चों की सीखने की क्षमता यानी लर्निंग आउटकम भी सिर्फ 47 प्रतिशत पर सिमट गया है। बात अगर देश के प्रशासनिक केंद्र और राज्य की राजधानी भोपाल की करें, तो यहां भी स्थिति दयनीय है। भोपाल के स्कूलों में लर्निंग आउटकम लगभग 47 प्रतिशत है, जबकि स्कूलों में मासूम बच्चों की सुरक्षा का पैमाना यानी स्कूल सेफ्टी का ग्राफ सिर्फ 37 प्रतिशत पर आकर ठहर गया है। यह स्थिति बताती है कि जब बड़े शहरों का यह हाल है, तो प्रदेश का पूरा सिस्टम किस कदर वेंटिलेटर पर है।

### बड़वानी में डिजिटल लर्निंग 16 फीसदी पर

आधुनिक तकनीक और डिजिटल इंडिया के दौर में मध्य प्रदेश के ग्रामीण और आदिवासी बाहुल्य जिलों की स्थिति और भी बदतर है। सागर जिले में डिजिटल लर्निंग का प्रदर्शन महज 24 प्रतिशत दर्ज किया गया है, जबकि धार जिले में यह और भी कम यानी सिर्फ 20 प्रतिशत ही रह गया है। सबसे बुरी स्थिति आदिवासी बहुल बड़वानी जिले की सामने आई है, जहां डिजिटल लर्निंग का ग्राफ गिरकर मात्र 16 प्रतिशत पर आ गया है। बड़वानी में बच्चों के सीखने की क्षमता 36 प्रतिशत और स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा केवल 26 प्रतिशत ही आंकी गई है। इसके अलावा विदिशा जिले में बच्चों की पढ़ाई का स्तर 41 प्रतिशत और अशोकनगर में स्कूल प्रबंधन 45 प्रतिशत दर्ज हुआ है।

### जेनरेशन-अल्फा के दौर में 16% डिजिटल पढ़ाई

मुख्यमंत्री के गृह जिले उज्जैन का उदाहरण देते हुए पत्र में बताया गया है कि वहां भी स्कूल सेफ्टी महज 34 प्रतिशत और डिजिटल लर्निंग सिर्फ 28 प्रतिशत पर टिकी है। जीतू पटवारी ने सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए लिखा कि आज 21वीं सदी में जब दुनिया जेनरेशन-अल्फा की तकनीक और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की बात कर रही है, तब हमारे कई जिलों में डिजिटल लर्निंग का स्तर 16, 20 और 24 प्रतिशत होना बेहद शर्मनाक है। यह अंतर सिर्फ सरकारी आंकड़ों का नहीं, बल्कि प्रदेश के बच्चों के सुनहरे भविष्य और सरकार के झूठे दावों के बीच की एक बहुत बड़ी खाई है।

एमपी के 55 लाख स्कूली बच्चों को तोहफा, टेंडर विवाद के बाद बदला फैसला

# यूनिफॉर्म के बदले खातों में आएंगे 600 रुपये

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पहली से आठवीं तक पढ़ने वाले करीब 55 लाख विद्यार्थियों को इस शैक्षणिक सत्र में गणवेश के बदले राशि दी जाएगी। सरकार ने वर्तमान सत्र 2026-27 में गणवेश खरीदकर वितरित करने की योजना बनाई थी, लेकिन इसकी टेंडर प्रक्रिया विवादों में आने और हाई कोर्ट की ओर से खरीदी पर अंतरिम रोक लगाए जाने के बाद अब पुरानी व्यवस्था लागू करने की तैयारी है।

विभाग जल्द ही इस संबंध में आदेश जारी करेगा। सभी जिलों से विद्यार्थियों का बैंक खाता अपडेट करने के निर्देश दे दिए गए हैं। शैक्षणिक सत्र शुरू हुए करीब पांच माह बीत चुके हैं और विद्यार्थियों को गणवेश उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। यही वजह है कि सरकारी स्कूलों में बच्चे अलग-अलग रंग और डिजाइन के कपड़ों में पहुंच रहे हैं।

पिछले वर्षों में विद्यार्थियों के बैंक खातों में गणवेश की राशि भेजी जाती थी। इससे अभिभावक अपनी पसंद की दुकान से कपड़ा लेकर बच्चों के लिए यूनिफार्म सिलवा लेते थे। सरकार ने इस सत्र में व्यवस्था बदलते हुए केंद्रीकृत तरीके से गणवेश खरीदकर विद्यार्थियों को देने का निर्णय लिया था। इसके लिए मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम की यूनिट के माध्यम से टेंडर जारी किया गया, लेकिन प्रक्रिया को लेकर विवाद हाई कोर्ट पहुंच गया।

### पहले भी सामने आ चुका है विवाद

स्कूली गणवेश की गुणवत्ता, वितरण और प्रक्रिया को लेकर तीन वर्ष पहले विवाद सामने आए थे। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से गणवेश तैयार कराने की व्यवस्था भी की गई थी, लेकिन कई स्थानों पर ड्रेस की गुणवत्ता और बच्चों के नाप को लेकर शिकायतें सामने आईं। कोविड काल के बाद भी कई स्कूलों में समय पर गणवेश नहीं पहुंच सकी। इसके बाद अलग-अलग वर्षों में कहीं ड्रेस तो कहीं राशि वितरित की गई। पिछले सत्र में भी करीब 55 लाख विद्यार्थियों के खातों में लगभग 330 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर की गई थी।

### हर साल करीब 350 करोड़ रुपये का खर्च

पहली से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों को दो जोड़ी गणवेश उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। प्रति विद्यार्थी गणवेश पर करीब 600 रुपये खर्च किए जाते हैं। 55 लाख विद्यार्थियों के हिसाब से सरकार पर सालाना खर्च लगभग 350 करोड़ रुपये बैठता है। गणवेश उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी पहले राज्य शिक्षा केंद्र की थी, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में यह जिम्मेदारी मध्य प्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम को दी गई है।

### ग्वालियर में कचरे के पहाड़ों से मिलेगी निजात

**ग्वालियर।** लंबे समय से कचरे के पहाड़ों के कारण स्वच्छ सर्वेक्षण में नुकसान उठा रहे ग्वालियर में अब आधुनिक तकनीक से कचरे का निस्तारण किया जाएगा। कचरे के निस्तारण के लिए इटली से आधुनिक तकनीक की मशीन को ग्वालियर लाया गया है, जो हर दिन 1200 टन कचरे का निस्तारण करेगी। नगर निगम ने लगभग छह माह पहले इस कार्य के लिए कार्यादेश जारी किया था और कंपनी ने शुरूआत में एक प्लांट लगाकर कचरे का निस्तारण भी शुरू कराया था। अब नई मशीन आने से हर दिन शहर से निकलने वाले 600 टन ताजा कचरे और 600 टन लेगेसी वेस्ट यानी पुराने कचरे का निस्तारण हो सकेगा। इससे पहले लैंडफिल साइट पर पड़े लगभग 11 लाख टन कचरे के निस्तारण के लिए दिल्ली की दयाचरण एंड संस कंपनी को 33 करोड़ रुपये में ठेका दिया गया था।

कैग की नजर में मध्य प्रदेश की सड़कें

# मोड़ संकरे, बैरियर गायब और मार्किंग अधूरी, हो रहे हादसे

राजगढ़ हादसे के बाद सड़क सुरक्षा पर फोकस

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

राजगढ़ में घुमावदार ब्रिज पर हुए भीषण हादसे के बाद सड़क की इंजीनियरिंग और सुरक्षा इंतजामों पर भी ध्यान केंद्रित हुआ है। इसी संदर्भ में कैग की रिपोर्ट मध्य प्रदेश की सड़कों पर सुरक्षा इंतजामों की स्थिति सामने रखती है। पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़क विकास की प्रदर्शन लेखापरीक्षा में कई स्थानों पर मोड़ों की डिजाइन, क्रैश बैरियर और रोड मार्किंग जैसी व्यवस्थाओं में कमियां दर्ज की गई हैं। इसी वर्ष विधानसभा में प्रस्तुत रिपोर्ट में सड़क निर्माण के साथ सुरक्षा मानकों के पालन में भी कई कमियां दर्ज की गई हैं। कैग ने विभागीय प्रतिनिधियों के साथ 51 सड़कों का संयुक्त भौतिक निरीक्षण किया। जांच में तीन सड़कों के घुमावदार हिस्सों पर कैरिजवे को आवश्यक अतिरिक्त चौड़ाई नहीं दिए जाने की कमी सामने आई। ये सड़कें भोपाल, बुरहानपुर और उज्जैन संभागों में थीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सड़क की खराब डिजाइन, तीखे मोड़ और अधिक ढाल दुर्घटना का जोखिम बढ़ाते हैं।

### 20 सड़क कार्यों में नहीं मिले जरूरी क्रैश बैरियर

कैग ने नौ संभागों के 20 सड़क कार्यों के निरीक्षण में पाया कि आवश्यकता होने के बावजूद निर्धारित हिस्सों में क्रैश बैरियर नहीं लगाए गए। तीखे मोड़, पुल, ऊंचे तटबंध और सड़क किनारे बाधाओं वाले स्थानों पर क्रैश बैरियर दुर्घटना की स्थिति में वाहन को नियंत्रित दिशा में रखने और नुकसान कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। कई स्थानों पर तटबंध की ऊंचाई तीन मीटर से अधिक होने के बावजूद जरूरी सुरक्षा प्रबंध नहीं किए गए।

# मीटिंग में अब DFO नहीं भेज सकेंगे अधीनस्थ अधिकारी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्य प्रदेश में अब जिलों के वनमंडलाधिकारी (डीएफओ) को कलेक्टर द्वारा आयोजित समय-सीमा (टीएल) की बैठकों में अनिवार्य रूप से स्वयं शामिल होना होगा। वे अपनी जगह किसी अधीनस्थ अधिकारी या प्रतिनिधि को बैठक में नहीं भेज सकेंगे।

वन विभाग के प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह ने पुरानी व्यवस्था पर रोक लगाते हुए इस संबंध में सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसका उद्देश्य जिला प्रशासन और अन्य विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। प्रमुख सचिव के आदेश में कहा गया है कि जिले के विभिन्न विभागों से जुड़े मुद्दों को टीएल बैठकों में प्राथमिकता के साथ लिया जाए। विशेष रूप से उन विकास कार्यों पर ध्यान दिया जाएगा, जिनमें वन भूमि प्रभावित हो रही है। डीएफओ संबंधित विभागों से सीधे संपर्क कर ऐसे मामलों का जल्द निराकरण कराएंगे, जिससे विकास परियोजनाओं में अनावश्यक देरी न हो।

### आपसी समन्वय से होगा मामलों का निराकरण

निर्देशों के अनुसार वन विभाग से जुड़े ऐसे बिंदु, जिनका संबंध अन्य विभागों या जिला प्रशासन से है, उन्हें आपसी समन्वय के माध्यम से सुलझाया जाएगा। विभाग ने सभी अधिकारियों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है, ताकि प्रशासनिक स्तर पर फाइलों का निपटारा तेजी से हो सके।

मेट्रो एंकर | 1 सितंबर को मंच पर 3 वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रयास, 40 से ज्यादा वाद्य यंत्रों से प्रस्तुति

# वंदे मातरम् के 150वें वर्ष पर भोपाल में बनेगा इतिहास

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150वें वर्ष के मौके पर भोपाल में भारतीय संस्कृति और देशभक्ति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। विविधा कलायम सांस्कृतिक समिति की ओर से 1 सितंबर को राजधानी में ऐसा सांस्कृतिक आयोजन किया जा रहा है, जिसमें एक ही मंच पर तीन विश्व रिकॉर्ड बनाने का प्रयास होगा।

कार्यक्रम शाम 4 बजे से शुरू होगा। आयोजन में संगीत, सामूहिक गायन और शास्त्रीय कथक नृत्य के जरिए 'वंदे मातरम' को केंद्र में रखते हुए भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना को विश्व मंच तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

पहले रिकॉर्ड प्रयास के तहत इंटरनेशनल म्यूजिशियन अभय तिवारी 40 से अधिक अलग-अलग वाद्य यंत्रों का इस्तेमाल करते हुए 'वंदे मातरम' की विशेष संगीतमय प्रस्तुति देंगे। एक ही प्रस्तुति में इतने वाद्य यंत्रों का इस्तेमाल इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगा।

**200 से ज्यादा विद्यार्थी एक साथ गाएंगे राष्ट्रीय गीत-** दूसरे रिकॉर्ड प्रयास में विविधा अकादमी के 200 से अधिक विद्यार्थी एक साथ 'वंदे मातरम' का सामूहिक गायन करेंगे। आयोजकों का कहना है कि इसके जरिए बच्चों और युवाओं को राष्ट्रीय गीत, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। तीसरे रिकॉर्ड प्रयास में 150 से अधिक छात्राएं 'वंदे मातरम' पर सामूहिक कथक नृत्य की प्रस्तुति देंगी। खास बात यह होगी कि कथक की प्रस्तुति लाइव म्यूजिक के साथ होगी। शास्त्रीय नृत्य, संगीत और देशभक्ति को एक मंच पर पिरोकर प्रस्तुति तैयार की गई है।

### रिकॉर्ड से ज्यादा संस्कृति और राष्ट्रभावना पर जोर

आयोजकों के मुताबिक कार्यक्रम का मकसद केवल विश्व रिकॉर्ड का प्रमाण-पत्र हासिल करना नहीं है। इसके जरिए 'वंदे मातरम' के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को नई पीढ़ी तक पहुंचाने, युवाओं में राष्ट्रप्रेम और सांस्कृतिक गौरव की भावना मजबूत करने तथा भारतीय संगीत और शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा को बड़े मंच पर प्रस्तुत करने का प्रयास है। कार्यक्रम की प्रोफेशनल वीडियो रिकॉर्डिंग, फोटोग्राफी और रिकॉर्ड से संबंधित दस्तावेजीकरण भी किया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि इससे पूरे प्रयास को प्रमाणिक रूप से दर्ज कर डिजिटल और मीडिया माध्यमों के जरिए व्यापक स्तर तक पहुंचाया जा सकेगा।

# संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 30 अगस्त 2026

## वास्तु और विज्ञान

# दिशाओं, स्थान और प्रकृति के बीच संतुलन की कोशिश

*घर कैसा हो, किस दिशा में दरवाजा खुले, रसोई कहां बने और सोते समय सिर किस तरफ रहे, इन सवालों के जवाब वास्तु में लंबे समय से दिए जाते रहे हैं। लेकिन इनमें से कितनी बातें वैज्ञानिक आधार रखती हैं और कितनी केवल पारंपरिक मान्यताएं हैं? इस पर बहस पुरानी है।*

घर केवल ईंट, सीमेंट और दीवारों से बनी जगह नहीं है। उसका डिजाइन वहां रहने वाले लोगों की सेहत, सुविधा, नींद, मानसिक स्थिति और ऊर्जा की खपत तक को प्रभावित कर सकता है। यही वजह है कि वास्तु में कही गई कुछ बातें आधुनिक भवन-विज्ञान और पर्यावरणीय डिजाइन से मेल खाती दिखाई देती हैं। लेकिन हर वास्तु नियम को वैज्ञानिक तथ्य मान लेना भी सही नहीं होगा।

वास्तु का मूल उद्देश्य दिशाओं, स्थान और प्रकृति के बीच संतुलन बनाने से जुड़ा माना जाता है। विज्ञान भी भवन बनाते समय सूर्य की दिशा, हवा का आवागमन, तापमान, नमी, प्रकाश और स्थानीय जलवायु को महत्वपूर्ण मानता है। अंतर यह है कि विज्ञान इन प्रभावों को मापने और परीक्षण के आधार पर समझाता है, जबकि वास्तु की कई बातें परंपरा और मान्यता पर आधारित हैं।

**सुबह की धूप और घर का स्वास्थ्य:** घर में प्राकृतिक रोशनी का होना वास्तु के साथ-साथ आधुनिक भवन-विज्ञान की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। पूर्व दिशा से आने वाली सुबह की धूप को परंपरागत रूप से शुभ माना गया है। व्यावहारिक दृष्टि से सुबह की प्राकृतिक रोशनी घर के भीतर रोशनी बढ़ाती है और दिन में कृत्रिम प्रकाश की जरूरत घटा सकती है। धूप घर में नमी कम करने और कुछ रोगाणुओं के विकास को सीमित करने में भी मदद कर सकती है। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि पूर्व दिशा में बनी हर खिड़की अपने आप स्वास्थ्य लाभ देने लगेगी। खिड़की का आकार, आसपास की इमारतें, मौसम और स्थानीय जलवायु भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

**हवा का रास्ता क्यों जरूरी?:** वास्तु में घर के अलग-अलग हिस्सों में खुले स्थान और हवा के प्रवाह को महत्व दिया जाता है। आधुनिक वास्तुकला भी क्रॉस-वेंटिलेशन को स्वस्थ भवन की महत्वपूर्ण विशेषता मानती है। यदि कमरे में दो अलग दिशाओं या स्थानों पर हवा के प्रवेश और निकास का रास्ता हो तो प्राकृतिक वेंटिलेशन बेहतर हो सकता है। इससे कमरे में जमा गर्म हवा, नमी और कुछ प्रदूषक बाहर निकल सकते हैं। खासकर रसोई और बाथरूम में उचित वेंटिलेशन बेहद जरूरी है। इसलिए वास्तु में कही गई 'हवा के प्रवाह' की कई बातें व्यावहारिक भवन डिजाइन से जुड़ सकती हैं।

**रसोई और आग का संबंध:** वास्तु में रसोई को अग्नि तत्व से जोड़कर विशेष दिशाओं का उल्लेख मिलता है। विज्ञान किसी एक दिशा को 'अग्नि की दिशा' नहीं मानता। लेकिन रसोई की जगह तय करते समय सुरक्षा, धुआं, गर्मी और वेंटिलेशन महत्वपूर्ण हैं। गैस चूल्हे के ऊपर एग्जॉस्ट या चिमनी हो, ज्वलनशील वस्तुएं चूल्हे से दूर हों और रसोई में पर्याप्त हवा आती-जाती रहे—ये वैज्ञानिक और सुरक्षा की दृष्टि से जरूरी बातें हैं। इसलिए रसोई संबंधी वास्तु के कुछ नियमों के पीछे वास्तविक उपयोगिता हो सकती है, लेकिन दिशा को लेकर हर दावा वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित नहीं है।

### वास्तु दोष और महंगे उपाय

वास्तु के नाम पर सबसे बड़ी समस्या तब पैदा होती है जब किसी घर की हर परेशानी को 'दोष' से जोड़ दिया जाता है। बीमारी, आर्थिक नुकसान, पारिवारिक विवाद या नौकरी में परेशानी को केवल घर की दिशा से जोड़ना वैज्ञानिक दृष्टि से उचित नहीं है। किसी वास्तु सलाह के नाम पर दीवार तोड़ना, दरवाजा बदलना या महंगे निर्माण कार्य कराना जरूरी नहीं कि समस्या का समाधान हो। कई बार घर में पर्याप्त रोशनी, हवा, साफ-सफाई, सुरक्षित विद्युत व्यवस्था, पानी की निकासी और उचित तापमान जैसी साधारण चीजों में सुधार कहीं अधिक उपयोगी हो सकता है। वास्तु को पूरी तरह अंधविश्वास कहना भी सही नहीं होगा और उसकी हर बात को विज्ञान मान लेना भी। सही रास्ता दोनों के बीच अंतर समझने में है। जहां वास्तु की सलाह प्राकृतिक रोशनी, हवा, साफ-सफाई, सुरक्षा और बेहतर उपयोगिता से जुड़ती है, वहां उसका व्यावहारिक महत्व हो सकता है। लेकिन जहां किसी दावे के पीछे परीक्षण योग्य प्रमाण नहीं हैं, उसे परंपरागत मान्यता के रूप में ही देखना चाहिए। आखिरकार अच्छा घर वह नहीं जिसमें केवल दिशाएं सही हों, बल्कि वह है जिसमें रहने वालों को पर्याप्त रोशनी, स्वच्छ हवा, सुरक्षा, सुविधा, निजता और मानसिक सुकून मिले। घर की दिशा जीवन को प्रभावित कर सकती है, लेकिन जीवन की दिशा केवल घर की दिशा तय नहीं करती।

### सोने की दिशा और नींद

वास्तु में सोते समय सिर किस दिशा में होना चाहिए, इसे लेकर कई मान्यताएं हैं। अक्सर दक्षिण या पूर्व दिशा की ओर सिर रखने की सलाह दी जाती है। इसके पीछे पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र से लेकर मानसिक शांति तक कई तर्क दिए जाते हैं। लेकिन यहां सावधानी जरूरी है। नींद की गुणवत्ता पर कमरे का तापमान, शोर, प्रकाश, बिस्तर की आरामदायकता, तनाव और नियमित दिनचर्या जैसे कारकों का स्पष्ट प्रभाव माना जाता है। सिर की दिशा को लेकर लोकप्रिय वास्तु दावों के लिए उतना मजबूत वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। इसलिए इसे निश्चित वैज्ञानिक नियम की तरह प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा।

**आईना, रंग और मानसिक प्रभाव:** आईना कहां लगाया जाए, इसे लेकर वास्तु में कई नियम हैं। विज्ञान की दृष्टि से आईने का स्थान कमरे की रोशनी और दृश्य गहराई को प्रभावित कर सकता है। छोटी जगह में सही स्थान पर लगाया गया बड़ा आईना कमरे को अपेक्षाकृत खुला दिखा सकता है। इसी तरह रंगों का प्रभाव भी पूरी तरह काल्पनिक नहीं है। अलग-अलग रंग वातावरण की अनुभूति बदल सकते हैं। हल्के रंग कमरे को ज्यादा रोशन और खुला महसूस करा सकते हैं, जबकि बहुत गहरे रंग छोटे कमरे को अधिक बंद महसूस करा सकते हैं। हालांकि किसी विशेष रंग को 'धन लाने वाला' या 'दुर्भाग्य दूर करने वाला' बताने का वैज्ञानिक प्रमाण अलग विषय है।

**उत्तर-पूर्व का रहस्य:** वास्तु में उत्तर-पूर्व यानी ईशान कोण को विशेष महत्व दिया जाता है। यहां पूजा, जल या खुला स्थान रखने जैसी मान्यताएं मिलती हैं। वैज्ञानिक भवन डिजाइन किसी एक कोने को सार्वभौमिक रूप से शुभ या अशुभ नहीं मानता। फिर भी पारंपरिक घरों में खुले आंगन, प्रकाश और हवा के लिए कुछ दिशाओं में जगह छोड़ने की परंपरा स्थानीय जलवायु के हिसाब से व्यावहारिक हो सकती थी। पुराने भवनों के अनुभव से विकसित कई वास्तु नियम उस समय के पर्यावरणीय ज्ञान का हिस्सा रहे होंगे। लेकिन आज हर शहर, हर प्लॉट और हर जलवायु पर एक ही नियम लागू करना उचित नहीं है।

## जीवन ज्योति

# क्षमा कमजोरी नहीं, आत्मा की सबसे बड़ी ताकत है

सिस्टर बीके शिवानी
मोटिवेशनल स्पीकर

क्षमा का अर्थ यह नहीं कि किसी ने गलत किया और उस गलती को सही मान लिया। क्षमा का अर्थ है, उस घटना को अपने मन पर शासन करने का अधिकार न देना। किसी ने दुख दिया, अपमान किया, विश्वास तोड़ा या अपेक्षाओं के विपरीत व्यवहार किया, तो बार-बार उसी घटना को याद करते रहना उस व्यक्ति को अपने मन की चाबी सौंप देना है। अक्सर कहा जाता है कि समय हर घाव भर देता है। लेकिन समय अकेले घाव नहीं भरता। जब तक मन पुराने दर्द को पकड़े रहता है, तब तक वर्षों बाद भी वही घटना भीतर उतनी ही ताजा लग सकती है। इसलिए उपचार बाहर नहीं, भीतर शुरू करना पड़ता है। क्षमा सबसे पहले स्वयं को देनी होती है। जीवन में ऐसी अनेक परिस्थितियां आती हैं जब कोई निर्णय गलत हो जाता है, किसी पर भरोसा करना भारी पड़ जाता है या किसी संबंध में अपेक्षाएं टूट जाती हैं। तब स्वयं को दोष देना शुरू हो जाता है, ऐसा क्यों किया, उस समय ऐसा क्यों नहीं समझा, वहां चुप क्यों रहे? लेकिन बीता हुआ समय वापस नहीं आता। उस समय जितनी समझ थी, उसी के आधार पर निर्णय लिया गया था। इसलिए पुरानी गलती के लिए स्वयं को दंडित करते रहना भी एक तरह का मानसिक बोझ है। क्षमा का दूसरा अर्थ है दूसरे को उसके कर्मों से अलग करके देखना। जिसने क्रोध किया, संभव है उसके भीतर भी कोई दर्द रहा हो। जिसने कठोर शब्द कहे, संभव है वह स्वयं किसी तनाव से गुजर रहा हो। इसका अर्थ यह नहीं कि गलत व्यवहार को स्वीकार कर लिया जाए। गलत को गलत कहना जरूरी है, सीमा तय करना भी जरूरी है। लेकिन सामने वाले की गलती को अपने भीतर स्थायी जहर बनाकर रखना जरूरी नहीं।

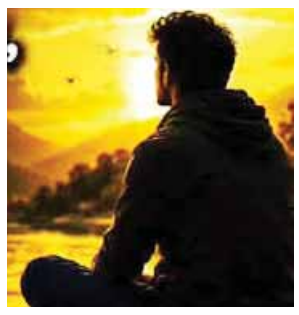

क्षमा करने का अर्थ संबंध बनाए रखना भी नहीं है। कई बार दूरी बनाना ही सही निर्णय होता है। क्षमा का मतलब केवल इतना है कि उस व्यक्ति के प्रति लगातार क्रोध, बदले की भावना और पीड़ा को मन में स्थान न दिया जाए। संबंध रहे या न रहे, मन शांत रह सकता है। जब किसी ने बहुत गहरी चोट दी हो, तब क्षमा करना आसान नहीं होता। ऐसे समय मन कहता है,इतना सब होने के बाद कैसे माफ कर दें? लेकिन क्षमा किसी दूसरे के लिए किया गया उपकार नहीं है। यह अपने मन को मुक्त करने का निर्णय है। क्रोध भीतर रखा जाता है तो शरीर और मन दोनों तनाव में रहते हैं। वही घटना बार-बार याद आती है, नींद प्रभावित होती है, चेहरे पर तनाव आता है और वर्तमान का सुख भी अतीत की घटना के नीचे दब जाता है। एक छोटी-सी बात याद रखने योग्य है। जिस घटना को बदला नहीं जा सकता, उसे लेकर मन को बार-बार दुखी करना वर्तमान के साथ अन्याय है। क्षमा का अभ्यास धीरे-धीरे किया जा सकता है। आंखें बंद करके उस व्यक्ति या घटना को सामने लाएं जिसने दुख दिया। मन में कहें—जो हुआ, वह सही नहीं था। उसका दर्द स्वीकार है। लेकिन उस दर्द को जीवनभर साथ लेकर चलना स्वीकार नहीं है। उस व्यक्ति के कर्म उसकी जिम्मेदारी हैं और मन की शांति अपनी जिम्मेदारी। क्षमा का सबसे सुंदर परिणाम यह होता है कि मन हल्का हो जाता है। शिकायतें कम होती हैं, अपेक्षाएं नियंत्रित होती हैं और संबंधों को देखने का नजरिया बदलता है। तब समझ आता है कि हर व्यक्ति अपनी समझ, संस्कार और परिस्थितियों के अनुसार व्यवहार करता है। जीवन में शांति चाहिए तो हर व्यक्ति को बदलने की कोशिश नहीं, अपने मन को संभालने की शक्ति विकसित करनी होगी। सामने वाला बदलता है या नहीं, यह उसके हाथ में है। लेकिन किसी के व्यवहार के कारण मन अशांत रहे या शांत,यह चुनाव भीतर किया जा सकता है।

क्षमा का अंतिम अर्थ है , घटना को भूलना जरूरी नहीं, लेकिन उसके दर्द से मुक्त होना जरूरी है। जो बीत गया, उसे अनुभव बनने दें, पहचान नहीं। जिसने चोट दी, उसे शिक्षक बनने दें, जेलर नहीं। मन जब क्षमा करता है, तब केवल दूसरे को मुक्त नहीं करता। सबसे पहले स्वयं को मुक्त करता है।

## सितारों की बात

पंडित विष्णु राजौरिया

सप्ताह का राशिफल दिनांक 30 अगस्त से 5 सितंबर तक

**मेष:** राशि के जातक इस सप्ताह उत्तम आर्थिक उपलब्धि अर्जित कर सकेंगे, आपका रुका हुआ धन प्राप्त होगा, साथी आर्थिक कर्म से रुके हुए कार्य होना प्रारंभ हो सकेंगे भवन भूमि संबंधी कार्य आगे बढ़ेंगे,और उनमें सफलता प्राप्त होगी।

**वृषभ :** राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं, यात्रा भूमि भवन वाहन संबंधी कार्य एवं घर के मांगलिक कार्यों की रूपरेखा बनने से मन प्रसन्न रहेगा, कृषि कार्य एवं व्यापार में लगे वृषभ राशि के जातकों को अपने व्यापार व्यवसाय में उत्तम सफलता प्राप्त हो

**मिथुन:** राशि के जातकों को नई जिम्मेदारी मिलने से कार्य की अधिकता बढ़ सकती है ,तथा उनके कार्यों में निरंतर प्रगति होगी, आर्थिक रूप से एवं सामाजिक कार्यों में वृद्धि होने से मान सम्मान एवं आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा, व्यापार व्यवसाय एवं कृषि क्षेत्र के कार्यों में सफलता प्राप्त होने के संकेत हैं छात्र एवं विद्यार्थी वर्ग को कंपटीशन में उत्तम सफलता अर्जित होगी।

**कर्क :** राशि के जातक इस सप्ताह में कुछ शिथिलता का अनुभव करेंगे अपने स्वास्थ्य संबंधी गड़बड़ी के कारण उनको कुछ कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, उधर विकार विशेष रूप से हो सकता है, अत: खान-पान और दिनचर्या में नियंत्रण रखने की आवश्यकता बनी हुई है।

**सिंह :** राशि के जातक इस सप्ताह में कुछ कठिनाई का अनुभव करेंगे व्यापार व्यवसाय एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को सावधानी की आवश्यकता है, आपके निकट के लोगों के द्वारा कुछ गड़बड़ी पैदा की जा सकती है ,आर्थिक लेनदेन में विशेष सावधानी बरतनी की आवश्यकता है।

**कन्या :** राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे ,आपके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना होगी ,साथी घर परिवार के विशेष दायित्व मांगलिक कार्य जैसे कार्य शुभारंभ हो सकता है।

**तुला:** राशि के जातक तुला राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, सामाजिक एवं व्यापारिक क्षेत्र में आपकी कार्यों की प्रशंसा होगी, भूमि भवन वाहन संबंधी कार्यों में सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं।

**वृश्चिक:** राशि के जातक आगामी सप्ताह में स्थिरता का अनुभव करेंगे आपके द्वारा लगातार किए गए प्रयासों से कोई विशिष्ट कार्य संपन्न होने जा रहा है। जिससे आपकी सामाजिक पारिवारिक एवं आर्थिक दृष्टि से संपन्नता का अनुभव होगा, सामाजिक रूप से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी, व्यापार व्यवसाय में उत्तम लाभ होने के संकेत हैं।

**धनु:** राशि के जातक आगामी सप्ताह में विशेष सावधानी रखने की आवश्यकता बनी हुई है, लेकिन कृषि एवं व्यावसायिक क्षेत्र में आपको उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत हैं, स्वास्थ्य के प्रति सजगता रखने की आवश्यकता है, आपको हड्डियों में दर्द कठिनाई का अनुभव कर सकती हैं पता 50 वर्ष से आयु के ऊपर के जातक विशेष सावधानी रखें, बात विकार समस्या दे सकता है।

**मकर:** राशि के जातक आगामी सप्ताह में व्यवसाय एवं पर्यटन संबंधी कार्यों के कारण अनेक स्थानों पर भ्रमण करने का अवसर प्राप्त करेंगे आर्थिक प्रभाव निरंतर बना रहेगा, आर्थिक दृष्टि से आप सावधानी से कार्य करें,धनागम में कमी होना और खर्चे में अधिकता होने के संकेत मिल रहे हैं।

**कुंभ:** राशि के जातक अत्यंत भ्रमणशील रहने के संकेत हैं आपके व्यापार व्यवसाय में वृद्धि होगी ,घर में परिवार में मांगलिक कार्य की आहट सुनाई दे रही है, आगामी दिनों में होने वाले मांगलिक कार्य की तैयारी और रूपरेखा में आपकी व्यस्तता प्रारंभ हो जाएगी।

**मीन:** राशि के जातकों को आगामी सप्ताह कुछ कठिनाई भरा हो सकता है आपके स्वास्थ्य में गिरावट साथी उधर विकार की समस्या के कारण हड्डियों के दर्द के कारण आपको परेशानी का अनुभव हो सकता है अत: इस संबंध में विशेष सावधानी रखें साथी विशेष लंबी यात्रा करने से बचें।

## दिया कबीरा रोय

# सुभाष नगर बनाम बकरा मेट्रो स्टेशन...

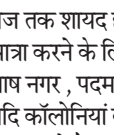

डॉ. अशोक कुमार धर्मेनियां 'अशोक'
व्यंग्यकार

कार्य में भले ही मरी -मरी गति क्यों न हो लेकिन अब भोपाल में मेट्रो दौड़ने लगी है। जी हां, प्रथम फेस में सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से एम्स के लिए हर 15 मिनट में ट्रेन उपलब्ध होने की सूचना प्रसारित कराई गई है । ट्रेन के लिए सवारियां उपलब्ध हैं या नहीं यह अलग बात है, लेकिन ट्रेन उपलब्ध है। सुभाष नगर स्टेशन पर यात्री कहां से मिलेंगे? क्योंकि यात्रियों के लिए स्टेशन पहुंचने हेतु लिंक पुल का निर्माण ही नहीं किया गया है । जिस तरफ स्टेशन बना है उस ओर बकरों की हाट लगती है। ऐसा लगता है जैसे बकरों के लिए स्टेशन बनाया गया हो । यदि इसका नाम 'बकरा स्टेशन' कर दिया जाए तो मेरे मत में अधिक उपयुक्त होगा। कुछ लोगों का कहना है की बकरों की भी कमी है, क्योंकि बकरा बाजार तो विशेष तीज त्यौहार के दिन ही लगता है, जिस दिन उनकी चाकू- छुरे से पूजा की जाती है। शेष दिनों के लिए तो बकरा भी सवारी के लिए उपलब्ध नहीं है । लेकिन यदि स्टेशन का नाम बकरा स्टेशन कर दिया जाए और कुछ आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएं तो हम प्रतिदिन भारी संख्या में यहां पर बकरे ला सकते हैं। ऐसा लगेगा कि प्रतिदिन बकरों का तीज त्यौहार है । तीज त्यौहार में लगने वाले बकरा बाजार में खूब हरी- हरी घास उन्हें खिलाई जा जाती है। सड़क पर बकरों का जाम लग जाता है। विशेष बात यह है कि बकरों को खड़ा रखने के लिए यहां पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हैं , जैसे कि रोड के दोनों ओर आपको घास उगी हुई दिख जाएगी। इसमें जंगली घास और जानवरों के खाने की घास दोनों ही उपलब्ध हैं। रोड पर बीच में जो डिवाइडर बना हुआ है वह भी घास से भरा हुआ है। यह घास न जाने कब से डिवाइडर और रोड के दोनों किनारो पर खड़ी हुई है, शायद ही कभी सफाई हुई होगी। आशय यह है कि यहां पर बकरों के रहने के लिए पर्याप्त भोजन इंतजाम है जो बगैर पैसे के उपलब्ध होता रहता है। बकरों का रात्रि विश्राम भी यहां आसानी से होता रहता है । उन्हें मूत्र बगैरह के लिए भी कोई समस्या नहीं है, क्योंकि सरकारी सड़क, जमीन इसके लिए पर्याप्त वहां उपलब्ध है। अब आवश्यकता केवल इस बात की है की बकरों को यदि मेट्रो ट्रेन की सवारी के रूप में मान्य कर दिया जाए तो इसमें मेट्रो का लाभ ही लाभ है।

**सुभाष नगर स्टेशन पर यात्री कहां से मिलेंगे? क्योंकि यात्रियों के लिए स्टेशन पहुंचने हेतु लिंक पुल का निर्माण ही नहीं किया गया है। जिस तरफ स्टेशन बना है उस ओर बकरों की हाट लगती है। ऐसा लगता है जैसे बकरों के लिए स्टेशन बनाया गया हो। यदि इसका नाम 'बकरा स्टेशन' कर दिया जाए तो मेरे मत में अधिक उपयुक्त होगा।**

सड़क की एक ओर स्टेशन के पास खड़े कुछ लोग चर्चा कर रहे थे कि बकरों के लिए विशेष छूट का टिकट यदि उपलब्ध हो जाता है तो हम बकरों की बलिदानी के पूर्व उन्हें हरी - हरी घास के साथ मेट्रो की सैर भी करा सकते हैं । इससे सरकार को भी फायदा होगा और मेट्रो ट्रेन खाली नहीं चलेगी , आय होती रहेगी और बकरों को भी सुकून मिलेगा कि ठीक है मरना तो हर जीव को किसी न किसी दिन है , पर मरने के पूर्व यदि सुखद एहसास मिल जाए तो इससे अच्छा और क्या हो सकता है , हमारी अम्मा हमारे लिए कब तक खैर मनाएगी, कुर्बानी के पूर्व मेट्रो की जन्नत देखने को तो मिली । यह मेट्रो स्टेशन जिसका नाम सुभाष नगर स्टेशन रखा गया है , में एक बहुत बड़ा हाल आधुनिक सुविधाओं सहित तैयार किया जा रहा है । इसमें काम बड़ी तेजी से चल रहा है। जब मैंने पूछा भाई इतना बड़ा हाल किस उपयोग के लिए बनाया जा रहा है?, तो मुझे बताया गया कि इसमें रेलवे स्टेशन का पूरा मार्केट बनेगा, दुकानें बनेंगी, जिसमें यात्री और जनता खरीद फरोख्त के लिए आया करेगी । मैंने उनसे कहा कि भाई साहब इस तरफ तो बकरे खड़े होते हैं । आज तक शायद ही दो-तीन यात्री से अधिक इस स्टेशन से यात्रा करने के लिए आए होंगे। स्टेशन की दूसरी तरफ जहां सुभाष नगर , पदमनाभ नगर ,न्यू सुभाष नगर , अशोका गार्डन आदि कॉलोनियां बनी हुई हैं और जहां से पर्याप्त संख्या में यात्री मिल सकते हैं, उस ओर से स्टेशन पर आने के लिए कोई लिंक रास्ता तैयार ही नहीं किया गया है , इसको अधूरा छोड़ दिया गया है । ऐसी स्थिति में मेट्रो के लिए यात्री कहां से आएंगे और यदि यात्री नहीं आएंगे तो आपके इस बड़े हाल का क्या होगा? इस तरह से यह जो हाल बन रहा है, यह बकरों का और जानवरों का विश्रामस्थल बनकर रह जाएगा। इसमें रात्रि के समय जानवर बैठेंगे ,असामाजिक तत्व भी यहां डेरा डाल सकते हैं। लिंक रास्ता पहले बनना चाहिए था, हाल बगैरह बाद में।

हमने सुभाष नगर स्टेशन पर सीड़ियों से अंदर जाने का प्रयास किया। किंतु यहां पर बैठे हुए दो सुरक्षा कर्मचारियों के द्वारा मुझे अंदर जाने से रोक दिया । उनका कहना था की ट्रेन प्रात: 11:00 बजे से शुरू होती है , तभी आप स्टेशन के अंदर जा सकते हैं। उन्हें लगा कि खाली स्टेशन में कहीं कोई आतंकवादी तो नहीं जा रहा है अथवा फिर कोई पत्रकार जो कोई छायाचित्र लेकर समाचार गढ़ दे। मैंने कहा श्रीमान जी अभी मैंने समाचार पत्र में पढ़ा था कि प्रात: 9:00 बजे से 6:00 बजे शाम तक ट्रेन चलेगी और प्रति 15 मिनट पर मिल सकेगी । तब उसने बताया कि यह आर्डर बदल गया है , पर्याप्त यात्री उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं । यहां ऑर्डर बदलते रहते हैं।

हमारा लिखना यह नहीं है कि इस स्थान पर यात्री उपलब्ध नहीं है या मिल नहीं सकते , मिल सकते हैं, इतने अधिक मिल सकते हैं कि अन्य किसी स्टेशन पर नहीं । लेकिन उनके लिए स्टेशन तक आने के लिए कोई रास्ता तो होना चाहिए। हमारे एक मित्र हमेशा हमसे कहते हैं कि आप स्टेशन के पास सुभाष नगर में ही रहते हैं , चलिए एक दिन हम आपके साथ सामूहिक यात्रा मेट्रो में करना चाहते हैं , उसी में हम मौज मनाएंगे। ट्रेन खाली चल रही है ,अत: उसी में धमा चौकड़ी करेंगे। मैं उनसे कह देता हूं कि भाई साहब , वहां आदमियों के लिए स्टेशन तो बन जाने दीजिए अभी बकरा स्टेशन है । मेरे घर से सुभाष नगर स्टेशन के लिए इतना पैदल चलना पड़ेगा कि आपको पैरों में फैक्चर हो सकता है ।

अत: मैं तो यह सलाह देना चाहूंगा कि बकरा सड़क की ओर जो निर्माण कार्य हो रहा है , उसे बाद में किया जाए और प्राथमिकता लिंक रास्ते को दी जाए ताकि मेट्रो को सवारियां शीघ्र उपलब्ध होने लगें।

## न्यूज विंडो

### पराग स्वीट्स में मिला फंगस लगा गुजिया, प्रशासन ने कराया नष्ट

**धार।** शहर के प्रसिद्ध पराग स्वीट्स की मिठाई फैक्ट्री पर राजस्व और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने अचानक छापा मारा। निरीक्षण के दौरान फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में गुजिया में फंगस पाया गया, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक था। कार्यवाही के दौरान एसडीएम राजकुमार हदार सहित राजस्व विभाग के अधिकारी मौजूद थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दूषित खाद्य सामग्री को मौके पर ही नष्ट करवा दिया। एसडीएम नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत प्रकरण तैयार किया गया है। अधिकारियों ने प्रतिष्ठान संचालक को सख्त हिदायत दी है कि खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण, स्वच्छता और गुणवत्ता के मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए। कार्रवाई में शामिल अधिकारियों ने साफ किया कि आम जनता की सेहत से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने पर प्रतिष्ठान के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का यह निरीक्षण अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

### बस स्टैंड का नाम अब 'महाराणा प्रताप बस स्टैंड, प्रस्ताव पारित

**गंजबासौदा।** नगर के वार्ड 8 स्थित मुख्य बस स्टैंड का नाम अब महाराणा प्रताप बस स्टैंड' होगा। श्री महाराणा प्रताप राजपूत समिति द्वारा लंबे समय से की जा रही मांग पर नगर पालिका परिषद ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर नामकरण को स्वीकृति प्रदान की है। सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव की अनुशंसा पर नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव ने सभी पार्षदों की सहमति से परिषद की बैठक में प्रस्ताव पारित कराया। इसके बाद समिति के पदाधिकारियों को स्वीकृति पत्र भी प्रदान किया गया। नामकरण की स्वीकृति मिलने पर राजपूत समाज में हर्ष का माहौल है। स्वीकृति पत्र प्रदान करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव ने कहा कि राजपूत समाज उनके परिवार के समान है। समाज के जनकल्याणकारी एवं सामाजिक कार्यों में नगर पालिका परिषद सदैव सहयोग के लिए तत्पर रहेगी। श्री महाराणा प्रताप राजपूत समिति के अध्यक्ष प्रवीण प्रताप सिंह जादौन ने नगर पालिका परिषद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शहर के विकास और समाज के सम्मान की दिशा में सराहनीय निर्णय है। समिति धन्यवाद पत्र का वाचन किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष जगदीप सिंह, देवेंद्र सिंह जादौन (मन्नू जी), बसंत सिंह, अमान सिंह, सीबी सिंह गौतम, मुकेश सिंह, किशोर भदौरिया, संतोष सिंह, अखिलेश सिंह, शैलेंद्र राठौड़, सतनाम सिंह सहित समाज के अनेक नागरिक उपस्थित रहे।

### रिपटा घाट पर लगा लंबा जाम यातायात प्रभारी ने संभाला मोर्चा

**गंजबासौदा।** बीते दिन भुजरिया विसर्जन के लिए बेतवा नदी के रिपटा घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और सड़क किनारे वाहनों के बेतरतीब खड़े होने के कारण रिपटा घाट से मुख्य सड़क तक लंबा जाम लग गया। जाम में महिलाएं, बच्चे और अन्य श्रद्धालु काफी देर तक फंसे रहे। जाम की सूचना मिलते ही यातायात प्रभारी निरपत सिंह लोधी तत्काल मौके पर पहुंचे और यातायात व्यवस्था की कमान संभाली। उन्होंने शहर की ओर से आने वाले वाहनों को घाट तक जाने से रोकते हुए उन्हें सड़क किनारे व्यवस्थित तरीके से खड़ा कराया। इसके साथ ही मौके पर मौजूद अन्य वाहनों को भी व्यवस्थित कराया गया। यातायात प्रभारी की तत्परता से कुछ ही समय में जाम खुल गया और वाहनों की आवाजाही सुचारु हो गई। समय रहते यातायात व्यवस्था नहीं संभाली जाती तो श्रद्धालुओं को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ सकता था।

### भुजरियां रख महिलाओं ने चौक-चौराहों पर गीत गाकर की परिक्रमा

**गंजबासौदा।** शहर में भुजरियां पर्व परंपरागत उत्साह, श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मोहल्लों और बस्तियों में पर्व की रौनक दिखाई देने लगी। महिलाओं ने चौक-चौराहों और मोहल्लों में भुजरियां रखकर पारंपरिक गीत गाए और उनकी परिक्रमा की। महिलाएं समूह में भुजरियां लेकर निर्धारित स्थानों पर पहुंचीं। यहां भुजरियों की पूजा-अर्चना कर पारंपरिक गीत गाए गए और परिक्रमा की गई। पूजन और परिक्रमा के बाद भुजरियों को श्रद्धा भाव से विदाई दी गई। बड़ी संख्या में लोग भुजरियां लेकर नदी तट पहुंचे, जहां विधि-विधान और आस्था के साथ उनका विसर्जन किया गया। नदी किनारे भी पर्व का उत्साह देखने को मिला। भुजरियां पर्व पर सबसे पहले भुजरियां भगवान को अर्पित की गईं। इसके बाद लोगों ने एक-दूसरे को भुजरियां देकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस परंपरा में आपसी प्रेम और भाईचारे का विशेष संदेश देखने को मिला। पर्व की सबसे खास परंपरा के तहत लोगों ने एक-दूसरे से भुजरियां लेकर पुराने गिले-शिकवे दूर किए। भुजरियां देते हुए लोग आत्मीयता से कहते नजर आए भुजरियों की राम-राम, मेहरबानी बनाए रखना। भुजरियां पर्व के बहाने लोगों ने एक-दूसरे से मुलाकात की, गिले-शिकवे भुलाए और आपसी प्रेम व भाईचारे को मजबूत किया। दिनभर शहर में उत्सव का माहौल बना रहा और हर ओर 'भुजरियों की राम-राम' की आत्मीयता सुनाई देती रही।

### ट्रक को निकालने के लिए रात दो बजे तक रेस्क्यू अभियान चला

# दमोह में 40 फीट गहरी नदी में गिरा सीमेंट लदा ट्रक, 24 घंटे बाद चालक-क्लीनर के शव बरामद

**दमोह। दोपहर मेट्रो**

दमोह-कटनी स्टेट हाईवे पर कुम्हारी थाना क्षेत्र के चीलघाट पुल से नदी में गिरे सीमेंट लदे 18 चक्का ट्रक से आखिरकार दो शव बरामद कर लिए गए। बीते दिन दोपहर से शुरू हुआ रेस्क्यू अभियान रविवार तड़के करीब दो बजे तक जारी रहा। तेज पानी की धार, अंधेरा और नदी में उल्टे पड़े ट्रक के कारण बचाव दल को काफी मशक्कत करनी पड़ी। करीब 24 घंटे बाद एसडीईआरएफ और पुलिस की टीम ने क्रेन की मदद से ट्रक के क्षतिग्रस्त केबिन से दोनों शव बाहर निकाले।

एसडीईआरएफ और पुलिस की टीम ने देर रात बड़े स्तर पर रेस्क्यू अभियान चलाया। जबलपुर से पहुंची चार से अधिक भारी क्षमता वाली क्रेनों की मदद से नदी में फंसे ट्रक तक पहुंचने का प्रयास किया गया। लगातार प्रयास के बाद रात करीब एक बजे ट्रक से पहला शव बाहर निकाला गया। इसके करीब एक घंटे बाद रात दो बजे दूसरे शव को भी बरामद कर लिया गया। दोनों शवों को पुलिस ने सुरक्षित रखवा दिया है। मृतकों की पहचान चालक अभिषेक पिता सुरेश वंशकार (23) और क्लीनर तुलसी भाई पिता गणेश (38), दोनों निवासी सुत्रंता थाना त्योंदा, जिला विदिशा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर रात

सीमेंट से भरा 18 चक्का ट्रक कटनी से दमोह की ओर आ रहा था। चीलघाट पुल पर पहुंचने के दौरान ट्रक अनियंत्रित हो गया और पुल की रेलिंग तोड़ते हुए करीब 40 फीट नीचे नदी में जा गिरा। ट्रक के उल्टे गिरने से उसका केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। हादसे के बाद शनिवार सुबह स्थानीय लोगों की नजर नदी में पड़े ट्रक पर पड़ी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीईआरएफ की टीम को बुलाया गया। इसके बाद नदी में रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। नदी में पानी का तेज बहाव होने के कारण रेस्क्यू टीम को शुरुआत से ही मुश्किलों का सामना करना पड़ा। एसडीईआरएफ के जवान नदी में उतरकर ट्रक के केबिन तक पहुंचे, लेकिन केबिन में पानी भरा होने और ट्रक के उल्टे पड़े होने के कारण अंदर की स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही थी। ट्रक को सीधा किए बिना केबिन की पूरी तलाशी लेना संभव नहीं था। भारी वजन के कारण मौके पर मौजूद सामान्य क्रेन से ट्रक को बाहर निकालना संभव नहीं हुआ। इसके बाद जबलपुर से अतिरिक्त भारी क्षमता वाली क्रेनें मंगाई गईं।

#### उफान पर थी चीलघाट नदी

क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश होने के कारण चीलघाट नदी उफान पर थी। नदी में पानी का बहाव तेज होने के साथ ही पुल के नीचे गहराई भी अधिक थी। ऐसी स्थिति में एसडीईआरएफ के जवानों को नदी में उतरकर काम करने में लगातार खतरा बना रहा। अंधेरा बढ़ने के बाद रेस्क्यू अभियान और चुनौतीपूर्ण हो गया। इससे पहले रात करीब 9:30 बजे बचाव अभियान को रोकना पड़ा था। इसके बाद भारी क्रेनों की मदद से दोबारा कार्रवाई शुरू की गई और देर रात दोनों शवों को बाहर निकाला गया। कुम्हारी थाना प्रभारी बृजेश पांडे ने बताया कि ट्रक में चालक और क्लीनर मौजूद थे। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं। फिलहाल किसी अन्य व्यक्ति के ट्रक में फंसे होने की संभावना बेहद कम है। रविवार सुबह रेस्क्यू अभियान दोबारा शुरू कर नदी में फंसे ट्राले को बाहर निकालने का प्रयास किया जाएगा।

#### हादसा देखने उमड़ी भीड़, रेस्क्यू टीम को हुई परेशानी

हादसे की जानकारी फैलने के बाद शनिवार दिनभर बड़ी संख्या में लोग चीलघाट पुल और नदी के आसपास पहुंचते रहे। सैकड़ों लोग मौके पर खड़े होकर रेस्क्यू अभियान देखते रहे। भीड़ के कारण बचाव दल को काम करने में भी परेशानी का सामना करना पड़ा। फिलहाल दोनों शव बरामद होने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली है। घटना की सूचना भी पुलिस द्वारा ट्रक मालिक और परिजनों को दे दी गई है। अब रविवार सुबह भारी मशीनरी की मदद से नदी में फंसे 18 चक्का ट्रक को बाहर निकालने की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस हादसे के कारणों की भी जांच कर रही है।

### सऊदी नोट लेने बस स्टैंड गए थे भाई साहब, बैग में निकली 'रद्दी' 2.80 लाख रुपए लेकर ठग हुए फुर्र

**राजगढ़। दोपहर मेट्रो**

जिले से लाखों रूपए की ठगी का मामला सामने आया है। जिले के ब्यावरा क्षेत्र में विदेशी नोट देने का झांसा देकर एक कपड़ा व्यापारी से 2.80 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने पहले विदेशी करेंसी का नोट दिखाकर व्यापारी का भरोसा जीता और बाद में बड़ी रकम के बदले सऊदी नोट (रियाल) देने का लालच दिया। व्यापारी ने भरोसा कर अपनी जमा रकम आरोपी को सौंप दी, लेकिन बदले में मिले बैग को खोलने पर उसके होश उड़ गए। बैग में नोटों की जगह कागज की गड्डियां रखी थीं। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सिटी पुलिस के अनुसार पीड़ित जकी अहमद पिता मुस्ताक हुसैन (29), निवासी नरसिंहगढ़ कपड़े की दुकान संचालित करता है। व्यापारी के साथ 2.80 लाख रुपए की ठगी हुई है।

भारतीय करेंसी के बदले में सऊदी नोट देने का झांसा देकर ठगों ने व्यापारी को शिकार बनाया है। 27 अगस्त को रकम की व्यवस्था करने के बाद जकी ने सलिम से मोबाइल पर संपर्क किया। उसे भोपाल बस स्टैंड बुलाया गया। जकी ने वहां सलिम को 2.80 लाख रुपए नकद दिए। बदले में सलिम ने उसे एक बैग थमाया और कहा कि इसमें नोट रखे है। इसके बाद वह वहां से चला गया। कुछ देर बाद जकी ने बैग खोला तो उसमें नोटों के बजाए कागज की गड्डियां मिलीं। आसपास तलाश करने के बावजूद सलिम और उसका साथी नहीं मिले। इसी दौरान जकी का मोबाइल फोन भी पानी में गिरकर खराब हो गया। पुलिस मामले में आरोपियों की तलाश कर रही है। पीड़ित के अनुसार 18 अगस्त की दोपहर एक व्यक्ति ग्राहक बनकर उनकी दुकान पर पहुंचा। उसने अपना नाम सलिम बताया और एक टी-शर्ट खरीदी। बातचीत में उसने जकी को दुबई का एक नोट दिखाया और उसकी कीमत पूछी। साथ ही बताया कि इस तरह के नोट को चलाया जा सकता है। जकी ने नोट की वास्तविक कीमत पता करने के लिए उसे भोपाल के पीरगेट स्थित एक दुकान पर दिया, जहां उसके बदले 2600 रुपए मिले। इनमें से 2200 रुपए उसने सलिम को वापस कर दिए। इससे दोनों के बीच भरोसा कायम हो गया।

### ग्यिरोंग घाटी में 50 फीट के मलबे में दबीं विदिशा की स्वाती! रेस्क्यू से बंधी उम्मीद

**विदिशा। दोपहर मेट्रो**

नेपाल की प्राकृतिक आपदा की चपेट में आई विदिशा की स्वाती बागरेचा के मलबे में दबे होने की आशंका है। सद्गुरु के ईशा फाउंडेशन की ओर से यह बड़ा अपडेट जारी किया गया है। फाउंडेशन के 77 सदस्य मानसरोवर की यात्रा पर गए थे जिसमें स्वाती भी शामिल थी। ईशा फाउंडेशन ने बीती रात को स्पष्ट कहा कि चीन सीमा पर स्थित ग्यिरोंग पोर्ट इमिग्रेशन सेंटर के पास अब तक किसी के जीवित बचने के संकेत नहीं मिले हैं। नेपाल में आई त्रासदी के बाद से ही ईशा फाउंडेशन के सभी 77 तीर्थयात्री लापता हैं। इस बीच स्वाती बागरेचा के संबंध में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी जानकारी जुटा रहे हैं। 4 दिन बाद भी स्वाती का मोबाइल चालू बताया जा रहा है।

ईशा फाउंडेशन ने कहा है कि ग्यिरोंग घाटी पूरी तरह तबाह हो चुकी है। पोर्ट के आसपास करीब 50 फीट तक गाद और मिट्टी का मलबा भरा है। बाढ़ के वक्त करीब 150 फीट तक ऊंची लहरें उठीं थीं जिससे

इमिग्रेशन ऑफिस ही नहीं बल्कि पूरा परिसर तबाह हो चुका है। ऐसी हालत में वहां उपस्थित किसी भी शख्स की बचने की संभावना बहुत कम है।

इससे पहले विदिशा में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार देर रात 9:30 बजे पूर्व सिविल सर्जन डॉक्टर केसी बागरेचा के निवास पर पहुंचे। उनके साथ पत्नी साधना सिंह चौहान, विधायक मुकेश टंडन, निगम उपाध्यक्ष राकेश सिंह जादौन भी मौजूद थे। उन्होंने डॉक्टर केसी बागरेचा की बेटी स्वाती के नेपाल त्रासदी में फंसे होने और उसकी कोई खबर न मिलने के संबंध में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने विदेश मंत्रालय में भी फोन लगाकर इस बात से अवगत कराया। स्वाती बागरेचा के परिवार के सदस्यों ने बताया कि उनका मोबाइल अभी भी चालू है, उसकी रिंग जा रही है, लेकिन उसे कोई उठा नहीं रहा है। शिवराज सिंह चौहान ने मोबाइल नंबर भेज कर उसकी लोकेशन खोजने के संबंध में बात कही।

### जेल में बंधी प्यार की डोर

**धार। दोपहर मेट्रो**

जिला जेल परिसर में रक्षाबंधन का पर्व अत्यंत भावुक और आत्मीय माहौल में मनाया गया। सालों या महीनों से दूर रह रहे भाइयों की कलाई पर जब बहनों ने प्यार की डोर बांधी, तो जेल परिसर खुशियों और आंसुओं के मिले-जुले अहसास से भर गया। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर जेल प्रशासन की ओर से बहनों को अपने बंदी भाइयों से मिलने की विशेष सुविधा प्रदान की गई थी। सुबह से ही जेल के बाहर अपने भाइयों से मिलने के लिए बहनों की लंबी कतारें लग गई थीं। जेल में बंद कुछ भाई कई वर्षों से अपनी सजा काट रहे हैं, तो वहीं कुछ हाल ही में जेल पहुंचे थे। इस विशेष अवसर ने लंबे समय से बिछड़े भाई-बहनों को एक-दूसरे के करीब ला दिया। मुलाकात का समय शुरू होते ही भाई-बहन के बीच भावनाओं का गहरा जुड़ाव देखने को मिला। बहनों ने बड़े ही स्नेह से भाइयों के माथे पर तिलक लगाया, उनकी कलाई पर राखी बांधी और मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य तथा जल्द रिहाई की कामना की। कई वर्षों बाद अपने भाइयों को देखकर कई बहनों की आंखों से आंसू छलक पड़े, वहीं कुछ के चेहरों पर मिलने की राहत और खुशी साफ झलक रही थी। भाइयों ने भी अपनी बहनों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए जल्द घर लौटने का वचन दिया।

### वेदांत आश्रम में श्रावणी पर्व पर हुआ दशविधि स्नान और यज्ञोपवीत संस्कार

### बटुकों व ब्राह्मणों ने किया आत्मशोधन, ऋषि-पितृ तर्पण के साथ संपन्न हुआ श्रावणी संस्कार

**गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो**

जीवाजीपुर स्थित वेदांत आश्रम में श्रावणी पर्व वैदिक परंपराओं और धार्मिक विधि-विधान के साथ श्रद्धापूर्वक मनाया गया। श्रीमद्जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी डॉ. रामकमलाचार्य वेदान्ती जी द्वारा संस्थापित संत श्रीजगन्नाथदास संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बटुकों, आचार्यों एवं स्थानीय ब्राह्मणों ने ऋग्वेदीय विधि से श्रावणी संस्कार संपन्न किया। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों से आश्रम परिसर आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर रहा।

काशी से पधारे वेदज्ञ आचार्य शुभम मिश्र एवं दीपक पांडे के आचार्यत्व में दशविधि स्नान कराया गया। निर्धारित विधि के अनुसार मृतिका, भस्म, गोमय, पंचगव्य, गोरज, धान्य, फल, सवौषधि, कुश एवं स्वर्ण आदि से स्नान संस्कार संपन्न हुआ। इसके बाद हेमाद्रि संकल्प, पितृ, देव एवं ऋषि तर्पण के साथ गणेश-गौरी तथा सप्तर्षियों सहित विभिन्न देवी-

देवताओं का विधिवत पूजन किया गया। अनुष्ठान पूर्ण होने के बाद बटुकों एवं उपस्थित द्विजों को विधि-विधानपूर्वक यज्ञोपवीत धारण कराया गया। आश्रम के महंत हरिदास जी महाराज ने श्रावणी पर्व की आध्यात्मिक महत्ता बताते हुए कहा कि श्रावणी केवल यज्ञोपवीत बदलने का पर्व नहीं, बल्कि आत्मशोधन और आत्मसंस्कार का अवसर है। उन्होंने कहा कि मनुष्य से वर्षभर में जाने-अनजाने हुए अनुचित कर्मों के शमन और आत्मशुद्धि की भावना से यह संस्कार किया जाता है। इससे व्यक्ति शरीर, मन और आत्मा की शुद्धि की ओर बढ़ता है तथा भविष्य में सदाचार और सत्कर्म के लिए प्रेरित होता है। उन्होंने कहा कि वेद और शास्त्रों से प्राप्त ज्ञान को जीवन में आत्मसात करने की दिशा में श्रावणी संस्कार महत्वपूर्ण आध्यात्मिक प्रक्रिया है। ब्रह्मचारी, गृहस्थ और वानप्रस्थ–सभी के लिए इसका विशेष महत्व माना गया है। वेदांत आश्रम में आयोजित श्रावणी पर्व ने धार्मिक परंपराओं के निर्वहन के साथ वैदिक संस्कृति के संरक्षण, संस्कृत शिक्षा और संस्कार आधारित जीवन-पद्धति का संदेश भी दिया। बटुकों ने आचार्यों के मार्गदर्शन में सभी संस्कार विधि-विधानपूर्वक संपन्न किए।

**मेट्रो एंकर** — श्रीहिन्दू उत्सव समिति की अगुवाई में विसर्जन

### भुजरिया पर्व पर निकला चल समारोह, दुलदुल घोड़ी रही आकर्षण का केंद्र

**मंडीदीप। दोपहर मेट्रो**

नगर में भुजरिया का पारंपरिक त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्रीहिन्दू उत्सव समिति की अगुवाई में दोपहर 3 बजे से महिलाएं श्रीराधा कृष्ण मंदिर पर भुजरिया की डलिया लेकर एकत्रित हुईं। यहां से ढोल-बाजे के साथ भुजरिया की डलिया सिर पर लिए महिलाएं पारंपरिक गीत गाते हुए चल समारोह में शामिल हुईं। सामूहिक पूजन के बाद यह चल समारोह आरंभ हुआ चल समारोह में दुलदुल घोड़ी पार्टी के कलाकारों का नृत्य आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा। शाम 6 बजे यह चल समारोह भुजरिया तालाब पहुंचा। यहां नगर के कई क्षेत्रों से भुजरिया लिए महिलाएं एकत्रित हुईं। ऐतिहासिक भुजरिया तालाब के किनारे श्रीहिन्दू उत्सव समिति और नगर के वरिष्ठजनों ने सामूहिक

रूप से भुजरियों की पूजा की भुजरियों का चल समारोह निकाला गया। इसके उपरांत कंपनी द्वारा बनाए गए कृत्रिम तालाब में भुजरियों का पारंपरिक विसर्जन किया गया। भुजरिया तालाब पर पहुंचे सभी वरिष्ठजनों का समिति अध्यक्ष अजीत सिंह चौहान ने आभार व्यक्त किया। सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर भुजरिया पर्व की शुभकामनाएं दीं इस अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष विपिन भार्गव, पूर्व नपाध्यक्ष बद्री सिंह चौहान, पूर्व मंडी अध्यक्ष नरेंद्र चौकसे, समाजसेवी जगदीश सोनी, मुरलीधर धर्मवानी, दिलीप जैन, राजेंद्र अग्रवाल, विनोद जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे पुलिस प्रशासन ने चल समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी।

# मरीज बनकर अस्पताल पहुंचे कलेक्टर, खुद कराया रजिस्ट्रेशन और डॉक्टर से कराया चेकअप

**दतिया। दोपहर मेट्रो**

जिले के कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े बीते दिन खुद मरीज बनकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए पहुंचे। कलेक्टर ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया और डॉक्टरों से चेकअप कराकर परामर्श भी लिया। इस दौरान कलेक्टर ने स्वास्थ्य केन्द्र के डॉक्टरों व स्टाफ को निर्देश दिए कि मरीजों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने पंजीयन व्यवस्था को और भी बेहतर बनाने के निर्देश भी दिए।

बड़ौनी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण करने पहुंचे कलेक्टर ने मरीज की तरह अस्पताल की व्यवस्थाओं को देखा। सबसे पहले कलेक्टर ने अपना नाम और मोबाइल नंबर देकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया और इसके बाद मरीज की ही तरह डॉक्टर से चेकअप कराने पहुंचे। उन्होंने अपनी सामान्य जांच कराई और डॉक्टर से स्वास्थ्य के संबंध में परामर्श भी लिया। इसके बाद कलेक्टर ने अस्पताल के अलग-अलग वार्डों का निरीक्षण भी किया।

## मरीजों और स्टाफ से की बातचीत

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े ने अस्पताल के डॉक्टरों व स्टाफ से तो बातचीत की ही साथ ही अस्पताल में मौजूद मरीजों व उनके परिजनों से भी बात की। कलेक्टर ने अस्पताल में डिजिटल व्यवस्था शुरु होने के बाद मरीजों को होने वाली संभावित परेशानियों को लेकर बातचीत की। कलेक्टर ने लेबर रूम, टीकाकरण कक्ष के साथ ही एएनसी और पीएनसी वार्ड का भी निरीक्षण किया।

## कलेक्टर ने दिए निर्देश

इस दौरान कलेक्टर ने अस्पताल में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने और मरीजों की सुविधा पर ध्यान रखने के निर्देश अस्पताल स्टाफ को दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेवजह लाइन में खड़ा न रहना पड़े, इस बात पर ध्यान दिया जाए। अस्पताल में डिजिटल व्यवस्था जल्द ही शुरू की जाएगी और उसकी तैयारियां की जा रही हैं। कलेक्टर ने कहा कि डिजिटल व्यवस्था का इस्तेमाल मरीजों की सुविधा बढ़ाने के लिए होना चाहिए।

## न्यूज विंडो

### खो-खो प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

**नरसिंहपुर।** जिला शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर के वार्षिक खेल कैलेंडर सत्र 2026-27 के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारी डॉ श्री अनिल कुशवाहा के मार्गदर्शन एवं जिला के क्रीड़ा अधिकारी श्री अनुज जैन के मार्गदर्शन में विकासखंड स्तरीय खो-खो खेल प्रतियोगिता का आयोजन असेंबली हॉल खो-खो ग्राउंड नरसिंहपुर में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विकासखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय देते हुए पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया। आयोजन के दौरान खेल शिक्षकों एवं निर्णायकों ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी ब्रजेश शर्मा ने प्रतियोगिता की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि विद्यालयीन खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। प्रतियोगिता के सफल संचालन में आयोजन समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संयोजक राजीव किशोर श्रीवास्तव, प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर एवं सह-संयोजक राहुल पाल, प्राथमिक खेल शिक्षक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर रहे। सचिव डॉ. अंजिता वर्मा, माध्यमिक खेल शिक्षिका पीएम श्री शासकीय एमएलबी कन्या उमावि नरसिंहपुर ने भी आयोजन की व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाई। अपील समिति में मनीष कटारे, उमावि धमना तथा देवेश वैद्य, व्यायाम निदेशक सांडिपनि विद्यालय नरसिंहपुर शामिल रहे।

### जबलपुर में उफनाती नर्मदा नदी में डूबे पिता-पुत्र सर्चिंग जारी

**जबलपुर।** जबलपुर के चरगवां थाना क्षेत्र के भड़पुरा घाट नर्मदा नदी में डूबे पिता-पुत्र में से पिता का शव शुक्रवार को घटनास्थल से 2 किमी दूर उतराता मिला। 10 वर्षीय लकी पाटिल की तलाश अभी जारी है। शनिवार को चरगवां पुलिस और एसडीआरएफ ने फिर नदी में सर्चिंग शुरू कर दी है। तेज बहाव को देखते हुए नरसिंहपुर पुलिस को भी अलर्ट किया गया है।

### एमएलबी में खेल सभा, मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि देकर ली फिट इंडिया प्रतिज्ञा

**नरसिंहपुर।** राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर पीएम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (एमएलबी) नरसिंहपुर में शनिवार को खेल सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित कर विद्यार्थियों ने फिट इंडिया प्रतिज्ञा ली। इसके साथ ही विद्यालय में तीन दिवसीय खेल एवं फिटनेस गतिविधियों का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा के निर्देशन एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी ब्रजेश शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। प्राचार्य श्रीमती गायत्री सोनी, व्यायाम शिक्षक डॉ. अंजीता वर्मा सहित विद्यालय के शिक्षक एवं छात्राओ की उपस्थित रही ।उक्त अवसर पर विद्यालय की छात्रा वॉलीबॉल प्लेयर रागिनी पटेल को सम्मानित किया गया। प्राचार्य श्रीमती गायत्री सोनी ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। खेल विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के साथ उनके आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से खेल एवं शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया। तीन दिवसीय आयोजन का समापन 31 अगस्त को 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम के साथ किया जाएगा। इसके माध्यम से विद्यार्थियों के साथ स्थानीय नागरिकों को भी नियमित व्यायाम, साइकिलिंग और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया जाएगा।

### दिल्ली से केरल लौट रहे थे 80 बच्चे, इटारसी के बाद उल्टी-दस्त की शिकायत

# मंगला एक्सप्रेस में 50 बच्चों की बिगड़ी तबीयत, खंडवा रेलवे स्टेशन पर हड़कंप

**खंडवा। दोपहर मेट्रो**

दिल्ली से केरल लौट रहे स्कूली बच्चों से भरी मंगला एक्सप्रेस में अचानक करीब 50 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। बच्चों ने चक्कर आने के साथ उल्टी-दस्त की शिकायत की। फूड पॉइजनिंग की जानकारी मिलने पर ट्रेन के मध्य प्रदेश के खंडवा पहुंचने से पहले ही स्वास्थ्य विभाग की टीम स्टेशन पर पहुंच गई। रात करीब 9.47 बजे प्लेटफार्म नंबर पांच पर ट्रेन रुकते ही बच्चों को नीचे उतारकर प्राथमिक उपचार दिया गया।

प्राथमिक उपचार दिए जाने के बाद बच्चों को वापस ट्रेन में बैठा दिया गया। यही नहीं, रेलवे के डॉक्टर भुसावल तक बच्चों के साथ भी गए, ताकि बीच में किसी तरहकी समस्या आने पर बच्चों को बीच के किसी भी शहर में उतारकर क्षेत्र के अस्पताल में उचित उपचार भी कराया जाता। इस दौरान पहले से ही रास्ते में पड़ने वाले अस्पतालों को अलर्ट भी कर दिया गया था। हालांकि, भुसावल तक सभी बच्चे स्वस्थ्य रहे, जिसके चलते भुसावल से डॉक्टरों के दल ने उन्हें आगे के लिए रवाना कर दिया।

केरल के त्रिस्सूर जिले के एक स्कूल के करीब 80 बच्चे टूर पर दिल्ली गए थे। दिल्ली से स्कूल के शिक्षक और स्टाफ के साथ सभी बच्चे मंगला एक्सप्रेस (12618) से त्रिस्सूर लौट रहे थे। बच्चों और शिक्षकों का कहना है कि यात्रा के दौरान उन्होंने पेंट्रीकार का ही खाना खाया था। इटारसी स्टेशन पार करने के बाद अचानक करीब 50 बच्चों की तबीयत खराब होने लगी। बच्चों को चक्कर आने के साथ उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी, जिससे ट्रेन में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

## ट्रेन पहुंचने से पहले स्टेशन पर पहुंची मेडिकल टीम

बच्चों की तबीयत खराब होने की सूचना रेलवे अधिकारियों को दी गई। इसके बाद खंडवा स्टेशन पर स्वास्थ्य विभाग को भी जानकारी दी गई। ट्रेन के पहुंचने से पहले ही सीएमएचओ ओपी जुगतावत, जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल सहित डॉक्टरों की टीम के अलावा नगर पुलिस अधीक्षक अभिनव बारंगे भी पुलिसकर्मियों के साथ स्टेशन पहुंच गए थे। ट्रेन के रुकते ही प्रभावित बच्चों को उतारकर डॉक्टरों ने उनकी जांच की और प्राथमिक उपचार दिया। इस दौरान एसडीएम, आरपीएफ और जीआरपी थाने का पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे।

## सभी बच्चों का प्राथमिक उपचार किया

सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल ने बताया कि करीब 50 बच्चों ने चक्कर और उल्टी-दस्त की शिकायत की थी। रेलवे के डॉक्टर भी मौके पर मौजूद थे। सभी बच्चों का प्राथमिक उपचार किया गया। इसके बाद उन्हें ट्रेन में वापस बैठा दिया गया। रेलवे के डॉक्टर बच्चों के साथ भुसावल तक गए हैं। वहां उनकी स्थिति पर नजर रखी जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया जाएगा।

# श्रीमद्भागवत कथा से पहले व्यवस्थाओं की पड़ताल एसडीओपी सहित अधिकारियों ने किया निरीक्षण

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

नगर में आगामी 9 सितंबर से 15 सितंबर तक आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा को लेकर पुलिस एवं प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कथा का आयोजन आचार्य श्री विद्यासागर गौशाला परिसर के टीन शेड में नगर के अयोध्यावासी सोनी परिवार द्वारा किया जा रहा है। कथा का वाचन पंडित विपिन बिहारी दास जी महाराज द्वारा किया जाएगा। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने बीते दिन कथा स्थल का निरीक्षण कर पार्किंग, यातायात एवं श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान एसडीओपी अर्चना अहीर, नगर निरीक्षक सरोज ठाकुर, दमोह यातायात प्रभारी दलबीर सिंह मार्को एवं डीसीबी प्रभारी उप निरीक्षक सतीश राठौर सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कथा स्थल एवं उसके आसपास का भ्रमण कर वाहनों के आवागमन, पार्किंग के लिए प्रस्तावित स्थान, श्रद्धालुओं के प्रवेश एवं निकासी मार्ग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

पुलिस अधिकारियों ने आयोजन समिति के सदस्यों से चर्चा करते हुए कथा के दौरान पहुंचने वाले श्रद्धालुओं एवं वाहनों की संभावित संख्या की जानकारी ली। इस दौरान विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को कथा स्थल तक पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा वाहनों के कारण नगर की यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो। पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित एवं सुचारु बनाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई, ताकि कथा स्थल के आसपास अनावश्यक भीड़ और जाम की स्थिति निर्मित न हो। साथ ही किसी भी आपात स्थिति में वाहनों एवं लोगों की आवाजाही के लिए आवश्यक मार्ग खुले और सुचारु रखे जाने पर विचार-विमर्श किया गया। कथा के दौरान यातायात व्यवस्था को संभालने के लिए पुलिस के सहयोग से युवाओं की एक बड़ी टीम भी तैयार की जाएगी।

# गड्ढों और कीचड़ में तब्दील अमाड़ंड-गोविंदा साइडिंग रोड, लोग परेशान

**अनूपपुर। । दोपहर मेट्रो**

अमाड़ंड से गोविंदा साइडिंग तक कोयला परिवहन में उपयोग की जा रही सड़क की बदहाली ने पर्यावरणीय अनुपालन और जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण सड़क जगह-जगह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। बारिश और कीचड़ के कारण पूरी सड़क पर फिसलन की स्थिति बनी हुई है, जिससे आम लोगों के लिए आवागमन जोखिम भरा हो गया है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस सड़क का उपयोग कोयला परिवहन के लिए लगातार किया जा रहा है, उसकी नियमित मरम्मत और रखरखाव की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? पर्यावरणीय प्रक्रिया के दौरान सड़क को दुरुस्त रखने और धूल एवं प्रदूषण को नियंत्रित करने की बातें कही जाती हैं, लेकिन मौके की स्थिति इन दावों से बिल्कुल अलग नजर आ रही है।

उपलब्ध पर्यावरणीय दस्तावेजों में अमाड़ंड परियोजना के कोयला परिवहन और गोविंदा साइडिंग के उपयोग का उल्लेख मिलता है। एक आधिकारिक दस्तावेज में यह भी दर्ज है कि अमाड़ंड परियोजना के कोयले की रेल से निकासी के लिए गोविंदा साइडिंग में उपयोग किया जा रहा था तथा वहां वायु प्रदूषण नियंत्रण के उपाय मौजूद होने का दावा किया गया था।

सड़क की वास्तविक स्थिति का यदि प्रदूषण विभाग द्वारा मौके पर निरीक्षण किया जाए तो तस्वीर खुद सामने आ जाएगी। सड़क पर उड़ने वाली धूल, भारी वाहनों से होने वाला प्रदूषण, गड्ढों में जमा पानी और कीचड़-ये सभी पर्यावरणीय प्रभाव का हिस्सा हैं। इसके बावजूद यदि निरीक्षण केवल कागजी रिपोर्ट और औपचारिकताओं तक सीमित है तो यह पूरी पर्यावरणीय प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है।

## मेट्रो एंकर

### रक्षाबंधन के दूसरे दिन मनाया कजलिया पर्व, दुखी परिवारों से मिले लोग

# एक-दूसरे से मिलकर दुख की घड़ी में साथ रहने का दिया संदेश

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रक्षाबंधन पर्व के दूसरे दिन परंपरागत रूप से कजलिया पर्व श्रद्धा, आत्मीयता और सामाजिक सौहार्द के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर एवं क्षेत्र के लोगों ने वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए उन परिवारों के घर पहुंचकर कजलिया की, जिनके यहां परिवार में किसी सदस्य के निधन के कारण पर्व-त्योहारों की खुशियां नहीं मनाई जा रही थीं। कजलिया पर्व के अवसर पर लोगों ने दुखी परिवारों के घर पहुंचकर उनके बीच बैठकर सुख-दुख की बातें कीं तथा उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान परिजनों, रिश्तेदारों एवं परिचितों ने एक-दूसरे से मिलकर दुख की घड़ी में साथ रहने का संदेश दिया। नगर के विभिन्न वार्डों एवं आसपास के गांवों में दिनभर लोगों के एक-दूसरे के घर पहुंचने और दुखी परिवारों से मिलने का सिलसिला चलता रहा। भारतीय संस्कृति और ग्रामीण परंपराओं में कजलिया पर्व का विशेष महत्व है। यह पर्व केवल पारंपरिक मान्यताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और दुख की घड़ी में एक-दूसरे का सहारा बनने की भावना को भी मजबूत करता है। रक्षाबंधन के बाद मनाए जाने वाले इस पर्व के माध्यम से लोग उन परिवारों के दुख में सहभागी बनते हैं, जिनके यहां किसी प्रियजन के निधन के कारण त्योहार नहीं मनाया जाता। नगर एवं क्षेत्र में कजलिया पर्व के अवसर पर लोगों ने सामाजिक परंपरा का पालन करते हुए दुखी परिवारों के बीच पहुंचकर उन्हें सांत्वना दी और हर परिस्थिति में साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। बुजुर्गों का कहना है कि ऐसी परंपराएं समाज को एकजुट रखने के साथ ही नई पीढ़ी को भी अपनी संस्कृति, रीति-रिवाजों और सामाजिक दायित्वों से जोड़ने का कार्य करती हैं। कुल मिलाकर, तेंदूखेड़ा नगर एवं क्षेत्र में कजलिया पर्व आपसी सद्भाव, आत्मीयता और सामाजिक एकता के संदेश के साथ परंपरागत रूप से मनाया गया।

### एशियन गेम्स से पहले खुली इंतजामों की पोल!

# 17 हजार मेहमानों ने बिगाड़ दिया पूरा गणित; 20 किमी दूर ठहरेंगे क्रिकेटर!

**नई दिल्ली, एजेंसी**

**जापान में 19 सितंबर से शुरू होने वाले नागोया-अइची एशियन गेम्स 2026 से पहले आयोजन की तैयारियों को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। खिलाड़ियों और अधिकारियों की संख्या अनुमान से कहीं अधिक बढ़ जाने के बाद मेजबान आयोजकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती ठहरने की व्यवस्था को लेकर पैदा हो गई है। स्थिति यह है कि क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए आयोजन स्थल से करीब 20 किलोमीटर दूर रहने की व्यवस्था किए जाने की तैयारी है।**

एशियन गेम्स में शुरुआत में लगभग 15 हजार खिलाड़ियों और अधिकारियों के शामिल होने का अनुमान लगाया गया था। लेकिन टेकबॉल और पैडल को प्रतियोगिता में शामिल किए जाने के बाद यह संख्या बढ़कर करीब 17 हजार हो गई है। इनमें लगभग 11 हजार खिलाड़ी और छह हजार अधिकारी शामिल बताए जा रहे हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष हिदेकी ओमुरा के अनुसार मेजबानी समझौता 15 हजार लोगों की क्षमता को ध्यान में रखकर किया गया था। अतिरिक्त प्रतिभागियों के लिए अलग से बजट नहीं होने के कारण आवास की समस्या गंभीर हो गई है। उनका कहना है कि अतिरिक्त लोगों को अपने रहने की व्यवस्था स्वयं करनी पड़ सकती है।

## एथलीट्स विलेज के बिना होगा आयोजन

इस बार ओलंपिक की तर्ज पर कोई पारंपरिक एथलीट्स विलेज तैयार नहीं किया गया है। खिलाड़ियों के लिए होटल, क्रूज जहाज और अस्थायी आवास का सहारा लिया जा रहा है। एक क्रूज जहाज में करीब चार से पांच हजार खिलाड़ियों को ठहराने की योजना है, जबकि लगभग दो हजार खिलाड़ियों के लिए अस्थायी आवास तैयार किए जा रहे हैं। शेष प्रतिभागियों को अलग-अलग होटलों में रखने की व्यवस्था होगी। कुछ खेल नागोया के बाहर भी होंगे। तैराकी, डाइविंग और घुड़सवारी जैसी प्रतियोगिताएं टोक्यो में आयोजित की जानी हैं। बढ़ती संख्या के बीच स्थानीय आयोजन समिति की ओर से ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया से प्रतिभागियों की संख्या कम करने का आग्रह किए जाने की खबरें भी सामने आई हैं।

### आयोजन भी सवालों के घेरे में

क्रिकेट मुकाबले कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में होने हैं। यह मैदान मूल रूप से बेसबॉल के लिए तैयार किया गया है और अब इसे क्रिकेट के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। मैदान की पिच हाल ही में तैयार की गई है और इसके प्रतिस्पर्धी स्तर पर सीमित इस्तेमाल को लेकर चिंता जताई जा रही है। बताया गया है कि मैदान पर बेसबॉल से जुड़ा पिचर माउंड भी मौजूद है। भारत और पाकिस्तान सहित एशिया की प्रमुख टीमें यहां मुकाबले खेलेंगी। ऐसे में पिच की गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवालों ने चिंता बढ़ा दी है।

### 20 किलोमीटर दूर रहेंगे क्रिकेटर!

क्रिकेट टीमों के सामने सबसे बड़ी परेशानी आवास को लेकर बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों को क्रिकेट मैदान से करीब 20 किलोमीटर दूर ठहराया जा सकता है। इसके अलावा कमरों के छोटे आकार ने भी टीमों की चिंता बढ़ा दी है। साझा कमरों में खिलाड़ियों के रहने की स्थिति में उनके सामान और बड़े क्रिकेट किटबैग रखने के लिए पर्याप्त जगह नहीं होने की आशंका है। बीसीसीआई से जुड़े सूत्र के मुताबिक कमरे इतने छोटे बताए जा रहे हैं कि एक खिलाड़ी अपना किटबैग खोल दे तो कमरे में चलने-फिरने की जगह भी बेहद सीमित रह जाएगी। टीम प्रबंधन इस समस्या का समाधान तलाशने में जुटा है।

### एसीसी करेगी मैदान का निरीक्षण

पिच की स्थिति और सुविधाओं की समीक्षा के लिए एशियाई क्रिकेट परिषद की टीम आयोजन से पहले मैदान का निरीक्षण कर सकती है। ड्रेसिंग रूम की सुविधाओं को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, मई में इसी मैदान पर आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालिफायर का आयोजन हो चुका है।

### हॉकी विश्व कप में भारत का शर्मनाक सफर

# बेल्जियम से हार ने खोल दी टीम की कमजोरियों की पोल

**नई दिल्ली, एजेंसी**

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का विश्व कप अभियान उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा। बेल्जियम के वावरे स्थित ब्लेफियस हॉकी अरीना में सातवें-आठवें स्थान के मुकाबले में भारत ने मेजबान टीम को कड़ी चुनौती दी, लेकिन शूटआउट में 4-3 से हारकर टूर्नामेंट का अंत आठवें स्थान के साथ किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला और आखिरी पलों में टीम को मुकाबले में वापस ला दिया, लेकिन निर्णायक क्षणों में भारत फिर चूक गया।

भारत ने 2023 विश्व कप की नौवीं रैंकिंग के मुकाबले इस बार एक स्थान सुधार किया, लेकिन लगातार दो ओलंपिक कांस्य पदक जीत चुकी टीम के लिए आठवां स्थान संतोषजनक नहीं माना जा सकता। टीम से सेमीफाइनल की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन अभियान के दौरान कई कमजोरियां लगातार सामने आती रहीं। टूर्नामेंट में भारतीय रक्षापंक्ति सबसे बड़ी चिंता बनकर सामने आई। विपक्षी टीम के दबाव में कई बार खिलाड़ी अपनी संरचना बनाए रखने में नाकाम रहे। बेल्जियम के खिलाफ प्ले-ऑफ मुकाबले में भी भारत ने तीन गोल गंवाए। लगातार हमलों के दौरान डिफेंस पर दबाव बढ़ता गया और टीम को अपनी ही डी में संघर्ष करना पड़ा।

आक्रमण में भी भारत की कहानी कुछ अलग नहीं रही। फॉरवर्ड खिलाड़ियों को मिले मौकों का पर्याप्त फायदा नहीं उठाया जा सका। बेल्जियम के खिलाफ अभिषेक ने फील्ड गोल किया, जबकि हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर से दो बार गेंद को जाल में पहुंचाया। इसके बावजूद निर्धारित समय में भारत जीत हासिल नहीं कर सका। पूरे अभियान में गोल करने की निरंतरता की कमी टीम को भारी पड़ी।

### मिडफील्ड का पीछे हटना बना बड़ी परेशानी

भारतीय मिडफील्ड का जरूरत से ज्यादा पीछे जाना भी टीम की कमजोरी बन गया। इससे रक्षापंक्ति पर अतिरिक्त दबाव पड़ा और विपक्षी टीम को लगातार आक्रमण करने की जगह मिलती रही। मिडफील्ड और डिफेंस के बीच संतुलन बिगड़ने का असर भारत की पूरी संरचना पर दिखाई दिया।

### शुरुआती मिनटों की सुस्ती ने बढ़ाई मुश्किल

बड़े मुकाबलों में शुरुआत से ही दबाव बनाना जरूरी होता है, लेकिन भारतीय टीम कई मौकों पर धीमी शुरुआत करती दिखाई दी। शुरुआती मिनटों में विपक्षी को लय हासिल करने का अवसर मिला और भारत को कई बार शुरुआती दबाव का खामियाजा भुगतना पड़ा। विश्व कप जैसे मंच पर ऐसी गलतियां मैच का रुख बदलने के लिए काफी होती हैं। भारत ने कई चरणों में लो ब्लॉक में जाकर मुकाबला किया। लंबे समय तक अपनी डी के आसपास खेलने से विपक्षी को लगातार गेंद पर नियंत्रण और हमले का मौका मिलता रहा। दबाव बढ़ने के साथ भारतीय डिफेंस की संरचना भी प्रभावित हुई। टीम को सिर्फ हमले झेलने के बजाय गेंद पर नियंत्रण रखते हुए मुकाबले की दिशा तय करनी होगी।

### अनाया बांगड़ की बीसीसीआई से भावुक अपील

# पांच महीने ड्रेसिंग रूम में गुजारे, अब भारत के लिए वर्ल्ड कप जीतना है...

**नई दिल्ली, एजेंसी**

क्रिकेट में वापसी का रास्ता मिलने के बाद अनाया बांगड़ ने अपने सबसे बड़े सपने का खुलासा किया है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगड़ की बेटी अब सिर्फ मैदान पर लौटना नहीं चाहतीं, बल्कि उनकी नजर उससे कहीं बड़े लक्ष्य पर है। लड़के से लड़की बनीं क्रिकेटर अनाया का सपना है कि वह एक दिन भारत के लिए विमेंस वर्ल्ड कप जीतें और देश के लिए बड़ी ट्रॉफियां हासिल करें।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अनाया बांगड़ को फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में प्रीमियर क्रिकेट खेलने की मंजूरी दे दी है, जबकि मार्च 2027 से एलीट क्रिकेट में उनकी वापसी पात्रता संबंधित नीति की शर्तों पर निर्भर करेगी। हालांकि यह मंजूरी किसी टीम में जगह की गारंटी नहीं है, लेकिन अनाया इसे अपने क्रिकेट करियर को दोबारा शुरू करने की बड़ी सीढ़ी मान रही हैं।

### अनाया बांगड़ का छलका दर्द

अनाया बांगड़ ने बताया कि इस मुकाम तक दोबारा पहुंचने का सफर बेहद मुश्किल रहा। उन्हें सिर्फ सार्वजनिक आलोचना का सामना नहीं करना पड़ा, बल्कि परिवार के भीतर भी पूरी तरह समर्थन नहीं मिला। उन्होंने कहा कि उन्हें कुछ हद तक मदद मिली, लेकिन पूरे सफर के दौरान उन्हें ऐसा महसूस नहीं हुआ कि परिवार उनके साथ पूरी तरह खड़ा है। इस मुश्किल दौर ने उनके लिए क्रिकेट से दूर रहने के साथ-साथ निजी जिंदगी में भी कई चुनौतियां खड़ी कीं। अनाया बांगड़ ने अपने संघर्ष के सबसे कठिन दौर का जिक्र करते हुए बताया कि ब्रिटेन में एक समय ऐसा भी आया, जब वह करीब पांच महीने तक ड्रेसिंग रूम में रहकर अपना गुजारा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि उस समय उनका मकसद किसी तरह खुद को संभालना और आगे बढ़ना था।

### 'ऐसा कैसे हो सकता है?' टीम से बाहर होने पर पहली बार बोले सूर्यकुमार यादव

# डेढ़ महीने तक घर में खुद से पूछते रहे सवाल

**नई दिल्ली , एजेंसी**

भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान के तौर पर शानदार दौर देखने वाले सूर्यकुमार यादव के लिए टीम से बाहर होना किसी बड़े झटके से कम नहीं था। जुलाई 2024 में भारत की टी20 टीम की कप्तानी संभालने वाले सूर्यकुमार ने अपने नेतृत्व में टीम को लगातार सफलता दिलाई। उनकी कप्तानी में भारत ने टी20 विश्व कप और एशिया कप जैसे बड़े खिताब अपने नाम किए और एक भी टी20 सीरीज नहीं गंवाई। इसके बावजूद चयनकर्ताओं ने इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए सूर्यकुमार से आगे बढ़ते हुए श्रेयस अय्यर को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंप दी।

अब सूर्यकुमार यादव ने पहली बार इस फैसले के बाद अपने मन में चल रही उथल-पुथल के बारे में खुलकर बात की है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि टीम की घोषणा में अपना नाम नहीं देखकर उनकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी और इसके बाद करीब डेढ़ महीने तक उनके दिमाग में कौन सा सवाल घूमता रहा।

### 'वर्ल्ड कप और एशिया कप जीते, फिर बदलाव क्यों?'

सूर्यकुमार के मुताबिक उन्हें उम्मीद थी कि 2026 के बाद भी वह करीब दो साल तक टीम को आगे ले जाएंगे। उनके सामने ओलंपिक और अगला टी20 विश्व कप जैसे बड़े लक्ष्य थे। लेकिन चयनकर्ताओं की सोच अलग थी। उन्होंने चयनकर्ताओं के फैसले पर सार्वजनिक रूप से कोई नाराजगी नहीं जताई और कहा कि यदि चयनकर्ताओं को भविष्य के लिए कोई दूसरा फैसला बेहतर लगा, तो उन्होंने टीम के हित में ही लिया होगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि श्रेयस अय्यर को कप्तानी दिए जाने से उन्हें कोई व्यक्तिगत परेशानी नहीं है। सूर्यकुमार ने श्रेयस को लंबे समय से जानने की बात कहते हुए उनके खेल और नेतृत्व क्षमता पर भरोसा जताया। लेकिन असली सवाल उनके मन में कुछ समय बाद उठने लगा।

### डेढ़ महीने तक घर पर सोचते रहे सूर्यकुमार

सूर्यकुमार ने स्वीकार किया कि वह फैसले से निराश थे। उनका कहना था कि दो साल तक टीम ने उनकी कप्तानी में कोई टी20 सीरीज नहीं गंवाई। इस दौरान भारत ने विश्व कप और एशिया कप भी जीता। ऐसे में उनके लिए सबसे बड़ा सवाल यही था कि जब सब कुछ अच्छा चल रहा था, तो बदलाव की जरूरत आखिर क्यों पड़ी? उन्होंने बताया कि टीम से बाहर होने के बाद वह करीब डेढ़ महीने तक घर पर रहे। इस दौरान परिवार और दोस्तों ने उनका हौसला बढ़ाया। सभी ने उन्हें समझाया कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। लेकिन जब लोग वापस चले जाते थे और वह अकेले होते थे, तब यही सवाल फिर उनके सामने आ जाता था—'यह कैसे हो सकता है? यह संभव कैसे है

**मनोरंजन** **बॉलीवुड का कोना**

### भंसाली की फिल्म में बड़ा मौका चाहती हैं भावना पानी, बोलीं-

# चुनौतीपूर्ण किरदार मिला तो दिखा दूंगी दम

मुंबई। अभिनेत्री भावना पानी ने अभिनय और रंगमंच की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। अब उनके करियर की एक बड़ी इच्छा सामने आई है। अभिनेत्री मशहूर निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ काम करना चाहती हैं। हाल ही में बातचीत के दौरान भावना ने कहा कि यदि उन्हें भंसाली की किसी फिल्म में अभिनय का अवसर मिलता है, तो वह किसी भी किरदार को पूरी मेहनत और समर्पण के साथ निभाने के लिए तैयार हैं।

**'किरदार जैसा भी हो, उसे यादगार बनाना मेरा काम'**- भावना पानी का कहना है कि निर्देशक की ओर से उन्हें जो भी भूमिका मिलेगी, उसे प्रभावशाली बनाना उनकी जिम्मेदारी होगी। हालांकि उनकी इच्छा है कि भंसाली की फिल्म में उन्हें ऐसा किरदार मिले, जिसमें अभिनय के साथ नृत्य की भी गुंजाइश हो। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने बचपन से ही भारतीय शास्त्रीय नृत्य का प्रशिक्षण लिया है। यही वजह है कि वह ऐसे किसी अवसर को खास मानेंगी, जिसमें नृत्य उनकी भूमिका का महत्वपूर्ण हिस्सा हो। भावना के मुताबिक संजय लीला भंसाली को भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य की गहरी समझ है।

**भारतीय नृत्य-संगीत को बड़े पर्दे पर पहचान देने वाले निर्देशक**- भावना पानी का मानना है कि हिंदी सिनेमा में भारतीय शास्त्रीय नृत्य और संगीत को भव्य स्तर पर प्रस्तुत करने वाले निर्देशकों में संजय लीला भंसाली का नाम प्रमुख है। उनकी फिल्मों में संगीत, नृत्य और कहानी का मेल अभिनेत्री को विशेष रूप से आकर्षित करता है।

### अभिनय के साथ वैज्ञानिक सोच को भी मानती हैं जरूरी

बातचीत में भावना से उनके एक पुराने सपने को लेकर भी सवाल किया गया। उनसे पूछा गया कि यदि वह अभिनेत्री या नृत्यांगना नहीं बनतीं तो अंतरिक्ष यात्री बनना चाहती थीं, तो विज्ञान और अभिनय जैसी दो अलग दुनिया उनके व्यक्तित्व में कैसे साथ रहती हैं। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि भावनाएं भी पूरी तरह तर्क से अलग नहीं होतीं। किसी भावना के पीछे उसका कारण, उद्देश्य और जरूरत समझना जरूरी है। उनके अनुसार अभिनय में मानवीय व्यवहार को समझने के लिए तार्किक सोच काफी मददगार साबित होती है। भावना पानी हाल ही में अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म 'भूत बंगला' में नजर आई थीं। फिल्म में उन्होंने 'नौकरानी रागिनी' की भूमिका निभाई। इसके अलावा फिल्म के चर्चित गीत 'ओ सुंदरी' में उनके नृत्य ने दर्शकों का ध्यान खींचा और उन्हें काफी चर्चा मिली।

## मेट्रो बाजार

# केन्द्र सरकार ने शुरू की केंद्रीय बजट 2027-28 की तैयारियां

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2027-28 के केंद्रीय बजट की तैयारियां औपचारिक रूप से शुरू कर दी हैं। वित्त मंत्रालय ने बजट प्रक्रिया के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश और समयसीमा तय करते हुए बजट परिपत्र जारी कर दिया है। इसके साथ ही विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को आगामी वित्तीय वर्ष के लिए अपने व्यय अनुमान और योजनागत आवश्यकताओं का विस्तृत ब्यौरा तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि पूर्व-बजट परामर्श बैठकें 12 अक्टूबर 2026 से शुरू होंगी। इसके लिए मंत्रालयों और विभागों को आवश्यक आंकड़े और प्रस्ताव 6 अक्टूबर 2026 तक जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। बजट परिपत्र के अनुसार, मंत्रालयों और विभागों को वित्त वर्ष 2026-27 के संशोधित अनुमान और वित्त वर्ष 2027-28 के बजट अनुमान तैयार करने होंगे। इसके लिए सभी विभागों से विस्तृत व्यय प्रस्ताव और वित्तीय जरूरतों का आकलन मांगा गया है, ताकि आगामी बजट को लेकर होने वाली पूर्व-बजट चर्चाओं में इनका उपयोग किया जा सके। इन बैठकों में विभिन्न मंत्रालयों की वित्तीय जरूरतों, चल रही परियोजनाओं और भविष्य की प्राथमिकताओं पर विचार किया जाएगा, जिसके आधार पर आगामी बजट का ढांचा तैयार किया जाएगा। सरकार का आगामी बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत @2047 विजन के अनुरूप तैयार होने की संभावना है। बजट परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि मंत्रालयों द्वारा भेजे जाने वाले व्यय प्रस्ताव सरकार की स्वीकृत प्राथमिकताओं और वास्तविक वित्तीय आवश्यकताओं के अनुरूप होने चाहिए।

# परिवार ने छोड़ा साथ-समाज ने दुत्कारा, ट्रांसजेंडर डॉक्टर की कहानी सुन इमोशनल हुए अमिताभ

अमिताभ बच्चन का शो कौन बनेगा करोड़पति का 18वां सीजन दर्शकों का खूब ध्यान खींच रहा है। हर बार की तरह इस बार भी अलग-अलग जगहों से आए कंटेस्टेंट अपनी जिंदगी और संघर्ष की कहानियां सुना रहे हैं। लेटेस्ट एपिसोड में ट्रांसजेंडर डॉक्टर प्राची राठौड़ हॉट सीट पर बैठीं। उन्होंने बच्चन साहब के सामने अपनी जिंदगी के उस दौर के बारे में बताया, जब उन्हें अपनी जेंडर पहचान की वजह से कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

केबीसी में बिग बी ने प्राची से पूछा कि उनके जेंडर ट्रांजिशन के सफर में उन्हें किस तरह का सपोर्ट मिला। प्राची ने कहा कि बचपन से लेकर उस समय तक जब उन्होंने अपने परिवार को अपने ट्रांजिशन के बारे में बताया, उनके परिवार ने उन्हें सपोर्ट किया। हालांकि, बाद में उनके लिए इस बदलाव को स्वीकार करना मुश्किल हो गया।

बिग बी ने पूछा कि जब आप ने अपने परिवार को बताया कि आपके अंदर एक महिला के संकेत हैं, तो उन्होंने किस तरह रिएक्ट किया। प्राची कहती हैं- जब मैं बोली कि मैं अपना जेंडर चेंज करना चाह रही हूं। क्योंकि मैं ट्रांस हूं, तो वो लोग इस चीज को पचा नहीं पाए। खासकर मम्मी-पापा। वो लोग बोले कि हम अपनाएंगे नहीं जिंदगीभर। प्राची ने कहा कि वो लोग तो मेरे लिए बहुत कुछ किए। लेकिन पैदा करने से सिर्फ मां-बाप नहीं बन जाते हैं। इतना कहते हुए वो रो पड़ीं। महानायक की आंखें भी नम हो गईं।

प्राची बताती हैं कि जब उन्हें अपने परिवार की मंजूरी नहीं मिली, उस वक्त हैदराबाद की ट्रांसजेंडर कम्युनिटी ने उनका हाथ थामा। हैदराबाद में छह हवेलियां हैं, जहां ट्रांसजेंडर समुदाय के लोग रहते हैं। प्राची कहती हैं कि वो खुद को इनमें से सबसे बड़ी हवेली की बेटी मानती हैं।

### भारत और अर्जेंटीना ने आर्थिक संबंधों को दी नई मजबूती;

# लिथियम, फार्मा और कृषि क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर

**नई दिल्ली ।** भारत और अर्जेंटीना ने अपने आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। ब्यूनस आयर्स में आयोजित भारत-अर्जेंटीना संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) की चौथी बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्ष 2025 की अर्जेंटीना यात्रा के दौरान तय किए गए रोडमैप की प्रगति की समीक्षा की गई और दोनों देशों ने व्यापार तथा निवेश सहयोग को और विस्तार देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, बैठक में खनन, ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में निवेश अवसरों पर विस्तार से चर्चा हुई। विशेष रूप से भारत की सरकारी कंपनी खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड (काबिल) द्वारा अर्जेंटीना के लिथियम क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की उल्लेखनीय प्रगति को रेखांकित किया गया। अर्जेंटीना के कैटामार्का प्रांत में काबिल की लिथियम खनन परियोजना, जो अर्जेंटीना में किसी भारतीय कंपनी की पहली लिथियम खनन पहल है, ने दूसरे चरण की ड्रिलिंग पूरी कर ली है। इसके अलावा साल्टा और जुजुय प्रांतों में भी सहयोग के नए अवसर तलाशे जा रहे हैं। माना जा रहा है कि लिथियम क्षेत्र में यह साझेदारी भारत की इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी विनिर्माण रणनीति को महत्वपूर्ण समर्थन दे सकती है।

बैठक में भारतीय दवा उद्योग के लिए भी सकारात्मक प्रगति दर्ज की गई। अर्जेंटीना ने अपने औषधि नियामक ढांचे के तहत भारत को एनेक्स-2 से उन्नत कर एनेक्स-1 श्रेणी में लाने की दिशा में काम करने और बाजार प्रवेश से जुड़ी बाधाओं को कम करने की प्रतिबद्धता जताई है। इससे भारतीय दवा कंपनियों के लिए अर्जेंटीना के बाजार में प्रवेश आसान होगा और वहां सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवाओं की उपलब्धता बढ़ेगी।

# छत्तीसगढ़-बिहार समेत 6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

**नई दिल्ली। दोपहर मेट्रो**

बिहार में गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है। पटना का दीघा घाट डूब चुका है। वहीं, बगहा के डुमरिया घाट पर गंडक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। 15 जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। राजस्थान में जयपुर समेत 15 शहरों का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। इस साल मानसून के कमजोर रहने के कारण जयपुर सहित 17 जिलों में सूखे जैसे हालात हैं।

मौसम विभाग के अनुसार अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ने से संगम क्षेत्र बाढ़ के पानी में डूब गया है. माघ मेला और कुंभ के दौरान जहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दिखाई देती है, वहां अब चारों तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है। मेला क्षेत्र की सड़कें और रास्ते भी जलमग्न हो चुके हैं। बाढ़ के कारण दुकानदारों ने अपनी दुकानें ऊंचे और सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करनी शुरू कर दी हैं. पूजा-पाठ कराने वाले पंडा समाज ने भी अपने झंडे और पूजा स्थलों को दूसरी जगह पहुंचा दिया है. बाढ़ का सीधा असर नाविकों, दुकानदारों और पंडाओं की रोजी-रोटी पर पड़ा है. उनका कहना है कि श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित होने से कारोबार भी प्रभावित हुआ है। उत्तराखंड के देहरादून और आसपास के इलाकों में लगातार भारी बारिश के कारण तमसा नदी भी उफान पर है. तपकेश्वर महादेव मंदिर के पास नदी का तेज बहाव देखने को मिल रहा है. बारिश के कारण नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा है, जिसके बाद आसपास के इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

## छत्तीसगढ़: कोरबा में घरों में घुसा पानी, बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम का असर

छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिनों तक बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में आज से बारिश की रफ्तार में बढ़ोतरी होगी। इस दौरान कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी, जबकि कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की भी चेतावनी दी गई है। इस बीच कोरबा शहर का दादर नाला उफान पर है। शनिवार सुबह नाला पार कर रही स्कॉर्पियो पानी के तेज बहाव में डूब गई। गाड़ी में सवार तीन दोस्तों ने बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। आधे घंटे बाद गाड़ी को भी बाहर निकाल लिया गया।

## न्यूज विंडो

### पंजाब में चुनावी रंजिश का खूनी खेल! बाइक सवार की गोली मारकर हत्या

**चंडीगढ़।** पंजाब के फिरोजपुर में रात बाजार के बीच बाइक सवार दो युवकों पर गोलियां चला दी गईं। हमले में 45 साल के गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी की मौत हो गई, जबकि 22 साल के हरप्रीत उर्फ हैप्पी घायल हैं। पुलिस को शुरुआती जांच में हमले के पीछे निजी रंजिश का शक है। इसका कनेक्शन हाल के नगर निकाय चुनाव से बताया जा रहा है। यह घटना मामदोट के मुख्य बाजार की है। गुरप्रीत और हरप्रीत बाइक से जा रहे थे। तभी कार में आए चार हमलावरों ने उन पर गोलियां चला दीं। गुरप्रीत को तुरंत फिरोजपुर के सिविल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. जबकि हरप्रीत को गंभीर हालत में लुधियाना के अस्पताल भेजा गया है। घटना के वक्त मामदोट नगर पंचायत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष विक्की मानी भी वहां मौजूद थे। वे बाल-बाल बचे।

### पंजाब की इन्फ्लुएंसर मंजीत की मौत के बाद मां बोली-गर्भपात का दबाव, जिंदा जलाया'

**मोहाली।** पंजाबी इंफ्लूएंसर मंजीत कौर की मौत के मामले में नया तथ्य सामने आया है। मंजीत कौर घटना के समय सात सप्ताह की गर्भवती थी। उसकी मां कांता देवी ने रिंकू नाम के युवक पर गंभीर आरोप लगाया है। मां का कहना है कि रिंकू उनकी बेटी से शादी नहीं करना चाहता था और उसे बच्चा गिराने के लिए कहता था। पुलिस अब रिंकू से पूछताछ कर जांच करेगी। मंजीत कौर का पहले ही तलाक हो चुका था और वह सन्नी एंक्लेव में अलग रहती थी। मां कांता देवी और भाई पंचकूला के सेक्टर-19 में रहते हैं। परिवार ने अमृतसर की रहने वाली नेहा पर भी आरोप लगाए हैं। नेहा ने कहा कि पता नहीं, मंजीत की मां ने मेरा नाम क्यों लिया।

### बिहार: बिहटा एनकाउंटर में एक बदमाश जख्मी, एसआई समेत 3 पुलिसकर्मी घायल

**पटना।** बिहार की राजधानी पटना से सटे बिहटा थाना क्षेत्र के परेव सोन नदी में सुबह पुलिस और अपराधियों के बीच भीषण मुठभेड़ हो गई। नाव के जरिए अवैध बालू के कारोबार में रंगदारी वसूल रहे अपराधियों और पुलिस के बीच हुई इस मुठभेड़ में दोनों तरफ से करीब 62 राउंड गोलियां चलीं। पुलिस के22 राउंड, जबकि अपराधियों की ओर से 40 राउंड फायरिंग करने की बात सामने आई है। एनकाउंटर में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। एक बदमाश भी जख्मी हुआ है। मुठभेड़ में एक अपराधी अनीश को गोली लगी। पुलिस टीम में शामिल सब इंस्पेक्टर राजू कुमार के बांह में गोली लगी और थानाध्यक्ष अमित कुमार और सहायक थानाध्यक्ष विकेश कुमार को भी चोट लगी है। बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं, प्राथमिक इलाज के लिए सब इंस्पेक्टर राजू सिंह को नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। कुख्यात अपराधी अनीश को गिरफ्तार किया है। तीन साथी फरार हो गए हैं।

## मन की बात में पीएम मोदी बोले- युवा नशा मुक्ति थीम से जुड़ा कंटेंट बनाएं

**नई दिल्ली। दोपहर मेट्रो**

मन की बात' का 137वां एपिसोड प्रसारित हो रहा है। पीएम ने कहा कि मन की बात नए प्रयासों सामने लाने का मंच है। मुझे सोशल मीडिया के जरिए एक वेबसाइट मिली, जहां कोई भी एक वर्ष चुनने पर आपको आसानी से पता चलेगा कि उस समय भारत के किस हिस्से पर किसका शासन था। इस वेबसाइट का नाम www.bharatrajya.com है। पीएम ने युवाओं से नशा मुक्त भारत अभियान को प्रमोट करने की अपील की। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्ति जागरूकता से जुड़ा कंटेंट बनाने को कहा। पीएम मोदी ने आगे कहा कि अगस्त का महीना देशभक्ति के रंगों से भरा रहता है। 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने से यह साल और खास हो गया है। इस बार 8 करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गई और 'सूर्यपथ तिरंगा' के जरिए फिजी से लेकर दुनिया भर में तिरंगा शान से फहराया गया। पीएम मोदी ने कहा, ''मेरे प्यारे देशवासियों, हमारे शहरों और कस्बों की सड़कों पर रोज सुबह से शाम तक, लाखों महिलाएं अपने-अपने काम में जुटी रहती हैं। कोई सब्जी बेचती हैं, कोई फल, कोई चाय का ठेला लगाती हैं, तो कोई फूल, दिये और पूजा की सामग्री बेचती हैं। कई बार, बस थोड़ी सी पूंजी की कमी, इनके कारोबार को आगे बढ़ने से रोक देती है। लेकिन अब ऐसी लाखों माताओं-बहनों को 'पीएम स्वनिधि योजना' से नई ताकत मिल रही है। 'महिला सशक्तिकरण' के इस पहलू की उतनी चर्चा नहीं होती, जितनी होनी चाहिए। 'पीएम स्वनिधि योजना' की लाभार्थियों में करीब 46 प्रतिशत महिलाएं हैं।

## चार मंजिला इमारत में आग, पुराना सीलमपुर में ग्राउंड फ्लोर पर उठीं लपटें

**नई दिल्ली। दोपहर मेट्रो**

दिल्ली के शाहदरा जिले के पुराना सीलमपुर इलाके में रविवार को चार मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर अचानक आग लग गई। घटना गांधी नगर थाना क्षेत्र की है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया।

बताया गया कि इमारत की ऊपरी मंजिल पर रहने वाले एक किरायेदार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे में अभी तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। दमकल कर्मी आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटे हैं।

## अस्पताल फुल, शवों से आ रही दुर्गंध...

# नेपाल में फ्लैश फ्लड के बाद अब महामारी का बढ़ा खतरा

**काठमांडू। दोपहर मेट्रो**

नेपाल में फ्लैश फ्लड के बाद राहत और बचाव अभियान के बीच अब तक 579 से अधिक शव बरामद किए जा चुके हैं। अधिकांश शवों की पहचान न हो पाने से अंतिम संस्कार नहीं हो पा रहा है, जिसके चलते शव सड़ने लगे हैं।

तेजी से सड़ रहे शवों और उनसे आती दुर्गंध के कारण अब प्रभावित क्षेत्रों में महामारी फैलने का गंभीर खतरा पैदा हो गया है। इस बीच नेपाल सरकार बिना पहचान वाले शवों का अंतिम संस्कार करने जा रही है। प्रत्येक पहचान न होने वाले शव का डीएनए नमूना सुरक्षित रखा जाएगा। चितवन के मुख्य जिला अधिकारी गणेश आर्यल ने बताया कि लगातार जारी खोज अभियानों के बीच शवों का सुरक्षित प्रबंधन प्रशासन के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन चुका है। चितवन के अस्पताल में शव रखने की जगह न होने के कारण शवों को एक सरकारी ऑफिस में रखा जा रहा है। गुरुवार को मिले अधिकांश शव तेजी से सड़ने की अवस्था में पहुंच चुके हैं, जिस कमरे में पहचान के लिए शव रखे गए हैं, वहां से दुर्गंध आने लगी है। जिससे इलाके में महामारी (घातक बीमारिया) फैलने की आशंका जताई जा रही है। महामारी के इस संभावित खतरे से निपटने और शवों के त्वरित व उचित निस्तारण के लिए जिला प्रशासन अब केंद्र सरकार के साथ समन्वय बनाकर आगे की कार्रवाई में जुटा है। सड़ रहे शवों से फैलने वाली महामारी रोकने के लिए नेपाल गृह मंत्रालय संबंधित जिलों के साथ मिलकर शवों के त्वरित प्रबंधन की रणनीति बना रहा है।

### चितवन में मिले 178 शव

नेपाल में बुधवार को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। सुरक्षाकर्मी लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं, लेकिन इस दौरान प्रभावित इलाकों से मिल रहे शवों से बड़े पैमाने पर संक्रमण और महामारी फैलने का गंभीर खतरा पैदा हो गया है। अकेले चितवन जिले में ही अब तक 178 शव बरामद किए जा चुके हैं, जिनमें 74 पुरुष, 41 महिलाएं और 8 बच्चे (6 लड़के और 2 लड़कियां) शामिल हैं।

## सिब्बल का भागवत पर निशाना, कहा- विदेश में समझदारी की बातें, देश में चुप्पी; मौलाना यासूब अब्बास ने की तारीफ

**नई दिल्ली। दोपहर मेट्रो**

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की अमेरिका में की गई टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा। भागवत ने कहा था कि विविधता में एकता भारत के डीएनए में है। सिब्बल ने कहा कि सिर्फ शब्द मायने नहीं रखते, बल्कि काम भी दिखाई देना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता और निर्दलीय राज्यसभा सांसद सिब्बल ने भागवत की टिप्पणी की आलोचना कर इसे विदेश में समझदारी की बातें और देश में चुप्पी का मामला बताया।

सिब्बल ने एक्स पर कहा, न्यूयॉर्क में भागवत विविधता हमारी स्वाभाविक एकता की शोभा है। इसकी रक्षा की जानी चाहिए। विदेश में समझदारी की बातें, देश में चुप्पी। शब्द मायने नहीं रखते, काम बोलना चाहिए! सिब्बल की यह टिप्पणी भागवत के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि विविधता में एकता भारत के डीएनए में है और इसे मनाया, सम्मानित और स्वीकार किया जाना चाहिए। भागवत ने बीते दिन न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित मैडिसन स्क्वायर गार्डन स्थित इन्फोसिस थिएटर में हुए कार्यक्रम को संबोधित किया। इसमें भारतीय-अमेरिकी समुदाय के 6,000 से अधिक सदस्य और विभिन्न धर्मों के नेता शामिल हुए। यह कार्यक्रम अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग (एएचईएडी) मंच की ओर से किया गया था। भागवत ने कहा, जब हम अमेरिका, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका कहते हैं, तो एक शब्द पर अक्सर चर्चा होती है और वह है बहुलवाद। अखिल भारतीय शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के मौलाना यासूब अब्बास ने भागवत के बयान की तारीफ की। कहा, भगवत का बयान सराहनीय है।

**मेट्रो एंकर** आईआईटी और आईआईएम से पढ़ने के बाद लंदन में की नौकरी, फिर बनीं आईएएस

# आईएएस दिव्या मित्तल ने 13 साल की नौकरी को कहा अलविदा, भावुक पोस्ट में लिखा- 'पद छूट गया, सपना नहीं'

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने 13 वर्षों की प्रशासनिक यात्रा को विराम देते हुए पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा कर अपने फैसले की जानकारी दी। पोस्ट में आईएएस बनने से लेकर प्रशासनिक सेवा के दौरान आम लोगों से मिले अनुभवों और सीख को साझा किया। दिव्या ने बताया, साधारण परिवेश में पली-बढ़ी होने के बाद भी बेहतर व सफल जीवन का सपना देखा था। दिन-रात मेहनत कर आईआईटी दिल्ली और आईआईएम बेंगलुरु से पढ़ाई की। लंदन में नौकरी मिली। सब कुछ हासिल करने के बाद भी देश से दूर होने का खालीपन महसूस होता रहा।

### 'हर सरकारी फाइल के पीछे एक व्यक्ति है'

दिव्या ने सेवा के दौरान आम लोगों के जीवन में आए बदलावों को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बताया। लिखा, उस परिवार की आंखों में खुशी देखना, जिसे पहली बार जमीन का हक मिला, दिव्यांग व्यक्ति को सम्मान से जीने का अवसर मिलना और किसान के खेत तक पानी पहुंचना ही उनके जीवन का असली सुकून रहा। लोगों के संघर्षों में साथ चलते हुए उन्होंने सीखा कि हर सरकारी फाइल के पीछे एक व्यक्ति होता है और उसकी गरिमा बनाए रखना ही न्याय है।

उनकी शिक्षा, आत्मविश्वास और कहीं भी सिर उठाकर चलने की ताकत इसी देश की मिट्टी का कर्ज है। इसी कर्ज को चुकाने की इच्छा से वह भारत लौटीं और आईएएस बनने का अवसर मिला। प्रशासनिक अनुभवों को याद कर दिव्या ने देवरिया व मिर्जापुर की सेवा को याद किया। देवरिया ने उन्हें सिखाया कि सही के साथ खड़ा होना विकल्प नहीं, कर्तव्य है। वहीं मिर्जापुर ने सिखाया कि 'असंभव' कुछ नहीं, बल्कि सिर्फ राय है। मां विंध्यवासिनी के प्रति आस्था का जिक्र कर कहा, उनके चरणों में सीख मिली कि शक्ति किसी पद से नहीं, बल्कि उनकी कृपा व लोगों के विश्वास से आती है।

### 'मूर्ख थी जो सोचा था कुछ देने आई हूं'

अपने संदेश में उन्होंने कहा, पहले लगता था कि मैं समाज को कुछ देने आई हैं। बाद में समझ आया कि सबसे ज्यादा मैंने खुद पाया। लोगों ने उनकी खुशी में उनसे ज्यादा खुशी मनाई। जब वे खुद थकीं या टूटीं, तब भी लोगों ने उन्हें उसी विश्वास से देखा। इसी ने उन्हें आगे बढ़ते रहने की हिम्मत दी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524